दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 114
मुरादाबाद
14 August 2025
(Thursday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास गठन के अध्यादेश को विधानसभा की मंजूरी, चढ़ावा, संपत्ति और प्रशासन का मिला हक

सीएम योगी ने की तिरंगा यात्रा की शुरुआत, दोनों डिप्टी सीएम के साथ ली सेल्फी

सीएम योगी ने तिरंगा यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव मौर्या के साथ सेल्फी खींचकर कार्यक्रम की शुरुआत की।सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने आवास से तिरंगा यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव मौर्या के साथ सेल्फी खींचकर कार्यक्रम की शुरुआत की।तिरंगा यात्रा निकलने के पहले सीएम योगी ने बच्चों के साथ सेल्फी ली।इस कार्यक्रम में दोनों डिप्टी सीएम विशेष रूप से मौजूद रहे। सीएम योगी ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।इस तिरंगा यात्रा में कई स्कूलों के बच्चे भी शामिल हुए। यूपी विधानसभा ने बुधवार को बांके बिहारी मंदिर निर्माण आर्डिनेंस को मंजूरी दे दी है। अब मंदिर का न्यास चढ़ावा, संपत्ति और प्रशासन से जुड़ी सभी जिम्मेदारियां संभालेगा।यूपी विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन बांके बिहारी मंदिर निर्माण आर्डिनेंस को मंजूरी मिल गई। सदन में बुधवार सुबह 11 बजे विकसित भारत, विकसित यूपी विजन डॉक्युमेंट 2047 पर लगातार 24 घंटे की चर्चा शुरू हो गई है। इसमें सरकार विभागवार उपलब्धियां और विजन रख रही है जबकि विपक्ष के सवालों का दौर भी जारी है। इस दौरान सत्र में बांके बिहारी कॉरिडोर आर्डिनेंस विधेयक भी पास हो गया है।अध्यादेश स्पष्ट करता है कि मंदिर के चढ़ावे, दान और सभी चल-अचल संपत्तियों पर न्यास का अधिकार होगा। इसमें मंदिर में स्थापित मूर्तियां, मंदिर परिसर और प्रसीमा के भीतर देवताओं के लिए दी गई भेंट/उपहार, किसी भी पूजा-सेवा-कर्मकांड-समारोह-धार्मिक अनुष्ठान के समर्थन में दी गई संपत्ति, नकद या वस्तु रूपी अर्पण, तथा मंदिर परिसर के उपयोग के लिए डाक/तार से भेजे गए बैंक ड्राफ्ट और चेक तक शामिल हैं। मंदिर की संपत्तियों में आभूषण, अनुदान, योगदान, हुंडी संग्रह सहित श्री बांके बिहारी जी मंदिर की सभी चल एवं अचल संपत्तियां सम्मिलित मानी जाएंगी। सरकार ने कहा है कि न्यास का गठन स्वामी हरिदास की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है। स्वामी हरिदास के समय से चली आ रही रीति-रिवाज, त्योहार, समारोह और अनुष्ठान बिना किसी हस्तक्षेप या परिवर्तन के जारी रहेंगे। न्यास दर्शन का समय तय करेगा, पुजारियों की नियुक्ति करेगा और वेतन, भत्ते/प्रतिकर निर्धारित करेगा। साथ ही भक्तों और आगंतुकों की सुरक्षा तथा मंदिर के प्रभावी प्रशासन और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी न्यास पर होगी। न्यास गठन के बाद श्रद्धालुओं को विश्वस्तरीय सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रसाद वितरण, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए अलग दर्शन मार्ग, पेयजल, विश्राम हेतु बेंच, पहुंच एवं कतार प्रबंधन कियोस्क, गौशालाएं, अन्नक्षेत्र, रसोईघर, होटल, सराय, प्रदर्शनी कक्ष, भोजनालय और प्रतीक्षालय जैसी व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। इस तरह होगा न्यास का गठन - न्यास में 11 मनोनीत और 7 पदेन सदस्य होंगे। - मनोनीत सदस्य- वैष्णव परंपराओं/संप्रदायों/पीठों से 3 प्रतिष्ठित सदस्य (जिनमें साधु-संत, मुनि, गुरु, विद्वान, मठाधीश, महंत, आचार्य, स्वामी सम्मिलित हो सकते हैं)। - सनातन धर्म की परंपराओं/संप्रदायों/पीठों से 3 सदस्य (उसी श्रेणी के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व)। - सनातन धर्म की किसी भी शाखा/संप्रदाय से 3 सदस्य (प्रतिष्ठित व्यक्ति/शिक्षाविद/विद्वान/उद्यमी/वृत्तिक/समाजसेवी)। - गोस्वामी परंपरा से 2 सदस्य- स्वामी हरिदास जी के वंशज; एक राज-भोग सेवादारों और दूसरा शयन-भोग सेवादारों का प्रतिनिधि.सभी मनोनीत सदस्य सनातनी हिंदू होंगे। उनका कार्यकाल 3 वर्ष का होगा ।- पदेन सदस्य में मथुरा के जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद के सीईओ, बांके बिहारी मंदिर ट्रस्ट के सीईओ और राज्य सरकार का नामित प्रतिनिधि शामिल होंगे। यदि कोई पदेन सदस्य सनातन धर्म को नहीं मानने वाला/गैर-हिंदू हुआ, तो उसकी जगह उससे कनिष्ठ अधिकारी को नामित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अग्निवीरों को संविदा पदों पर भर्ती में मिलेगा आरक्षण, धर्मांतरण कानून हुआ और सख्त

कैबिनेट की बैठक में धर्मांतरण कानून और अग्निवीरों की भर्ती समेत 26 फैसले लिए गए।सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान 26 प्रस्ताव पास किए गए। इस दौरान सरकार ने अग्निवीरों को संविदा पदों पर भर्ती में आरक्षण के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। अब अग्निवीरों को सेवाकाल पूरा होने पर समूह ग के वर्दीधारी पदों की सीधी भर्ती में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जाएगा। इसमें अग्निवीरों का उत्तराखंड का मूल निवासी या स्थायी निवासी होना जरूरी है। बताया जा रहा है कि अगले वर्ष रिटायर होने के बाद 850 पदों पर भर्ती दी जाएगी। समूह ग के ये वर्दीधारी पद किए चिह्नित

अग्निशमन व नागरिक पुलिस (कांस्टेबल/उपनिरीक्षक), कारागार पुलिस सेवा (बंदी रक्षक), वन विभाग (वन रक्षक), राजस्व पुलिस (पटवारी), आबकारी (पुलिस बल), परिवहन विभाग (पर्वतन दल)धर्मांतरण कानून में सजा बढाई इसके साथ ही सरकार ने धर्मांतरण कानून और सख्त करने के लिए कानून में कुछ संशोधनों के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। एक्ट में संशोधन कर सजा को 10 साल से बढ़ा कर 14 साल किया। कुछ मामलों में 20 साल तक सजा हो सकती है। जुर्माना राशि को 50 हजार से बढ़ा कर 10 लाख किया गया।

संसदीय कार्यमंत्री बोले- पुलिस के इकबाल को खत्म करना चाहता है विपक्ष, हम कानून व्यवस्था को ठीक कर रहे

यूपी विधानसभा में विपक्ष ने प्रदेश में हो रही आपराधिक घटनाओं पर सत्ता पक्ष से सवाल किए जिस पर संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि एफआईआर के 100 दिन में सजा कराने वाला यूपी देश का पहला राज्य बन चुका है। हम प्रदेश की कानून व्यवस्था को ठीक कर रहे हैं।यूपी विधानसभा में संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विपक्ष पुलिस के इकबाल को खत्म करना चाहता है। प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने के सारे बंदोबस्त कर रही है। इसका नतीजा है कि कई मामलों में एफआईआर के 100 दिन में सजा कराने वाला यूपी देश का पहला राज्य बन चुका है। हम फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी को सभी 18 मंडलों में स्थापित कर रहे हैं। प्रत्येक जिले को दो फोरेंसिक मोबाइल वैन भी दी गई हैं।खन्ना सपा सदस्य पंकज मलिक द्वारा प्रदेश में आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए कोई कार्ययोजना बनाने के लिए पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि 500 किमी दूर स्थानांतरण करने से सिपाही के परिवार पर बुरा असर पड़ता है। कई जिलों में तो सिपाही लापता तक हैं। इस पर संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि सपा सदस्य के सवालों का विस्तार से जवाब दिया जा चुका है। सपा के आरके वर्मा द्वारा सिपाहियों की स्थानांतरण और पोस्टिंग नीति को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में खन्ना ने कहा कि सपा सरकार ने कई संस्थाओं को बर्बाद किया था। अब फोर्स को भी बर्बाद करने पर तुले हैं। भाजपा सरकार से ज्यादा पुलिस में भर्ती और पदोन्नति किसी भी दूसरी सरकार ने नहीं की है। हम पुलिस विभाग में अब तक 2.19 लाख भर्तियां कर चुके हैं। मानदेय नहीं बढ़ा तो पत्नी छोड़कर चली गई विधानसभा में सपा सदस्य समर पाल सिंह ने शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने को लेकर सवाल किया। इसके जवाब में बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सपा सदस्य ने कहा कि मुझे एक शिक्षामित्र ने बताया कि मानदेय नहीं बढ़ने से उसकी पत्नी छोड़कर चली गई। कल्याण सिंह भी शिक्षक थे, यदि उनके पौत्र मानदेय बढ़ाते हैं तो उनकी आत्मा भी आशीर्वाद देगी।पत्रकारों का सम्मान करती है सरकार खन्ना ने विधानसभा में कहा कि सरकार पत्रकारों का पूरा सम्मान करती है। उनकी सुरक्षा को लेकर सजग भी है। कोरोना काल में दिवंगत पत्रकारों के परिजनों को सरकार ने 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई थी। वह सपा सदस्य इंजीनियर सचिन यादव द्वारा पत्रकार सुरक्षा कानून बनाए जाने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। इस दौरान सचिन ने एक पत्रकार की हत्या का प्रकरण उठाए जाने पर उन्होंने जवाब दिया कि इसमें जो हिस्ट्रीशीटर शामिल था, उसका आपकी पार्टी से संबंध है। सपा सरकार में पत्रकारों पर हुए हमलों में भी आपकी पार्टी के लोग शामिल थे।

ब्रह्मोस है हमारे पास, उन्हें बकवास नहीं करनी चाहिए, शहबाज की गीदड़ भभकी पर ओवैसी का जवाब

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार पाकिस्तान को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। उन्होंने पाकिस्तान और उनके प्रधानमंत्री समेत अनाप-शनाप बयान देने वाले लोगों को चेतावनी भी दी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कथित बयान कोई पाकिस्तान से पानी की एक बूंद भी नहीं छीन सकता पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, ब्रह्मोस है हमारे पास... उन्हें ऐसी बकवास नहीं करनी चाहिए। ऐसी धमकियों का भारत पर कोई असर नहीं होगा। बहुत हो गया। एशिया कप में भारत बनाम पाकिस्तान के बीच संभावित क्रिकेट मैच पर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, मैं क्रिकेट मैच देखने नहीं जा रहा हूं। मेरी अंतरात्मा, मेरा दिल इसकी इजाजत नहीं देता। हमें उस देश के लोगों के साथ क्रिकेट क्यों खेलना है, जो हमें हर दिन धमकी दे रहे हैं? आप पानी देना बंद कर चुके हैं। पानी से बड़ी कोई जरूरत है क्या? आपने बॉर्डर बंद कर दिए। आपने व्यापार बंद कर दिए। कितना नुकसान होगा, 300 करोड़-400 करोड़? मेरा जमीर गवारा नहीं करता। देश के अंदरूनी मसलों पर भी बोले ओवैसी ओवैसी ने एक मुद्दों पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कांग्रेस नेता फिरोज खान की ओर से 2023 के तेलंगाना चुनावों के दौरान कथित तौर पर छह लाख से अधिक फर्जी वोट डाले जाने का आरोप लगाने पर कहा, उनके जैसे कई ठुकराए हुए प्रेमी हैं। ये चुनावी कीड़े हैं। वे चुनाव के दौरान जागते हैं और उसके बाद फिर से सो जाते हैं। मैंने तेलंगाना में मुसलमानों और दलितों से विशेष रूप से कहा है कि वे अपने जन्म प्रमाण पत्र बनवा लें। अपने सभी निवास प्रमाण-पत्र व्यवस्थित कर लें। अगर ये लोग इसी तरह बात करते रहे, तो वे सर का खतरा पैदा कर रहे हैं। बेकार बहसों से ज्यादा स्ढ्ढक्र की चिंता- SIR विवाद पर ओवैसी ने कहा, दलित और मुसलमान सबसे गरीब हैं। अगर उनका नाम शामिल नहीं किया गया, तो कल यही भाजपा कहेगी कि ये लोग देश के नागरिक नहीं हैं। SIR गरीब समुदाय के लिए सबसे मुश्किल काम है। मुझे पार्टियों के बीच चल रही इन सभी बेकार बहसों से ज्यादा स्ढ्ढक्र की चिंता है।% ट्रंप के टैरिफ पर भी बोले ओवैसी अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ पर ओवैसी ने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति को यह तय करना होगा कि वह उस देश के साथ व्यापार करेंगे, जहां आतंकवाद एक व्यापार है, या भारत के साथ, जो उनका रणनीतिक सहयोगी रहा है। ट्रंप कौन होते हैं, यह कहने वाले कि हमें तेल नहीं खरीदना चाहिए? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से एक सख्त बयान आना चाहिए था, लेकिन विदेश मंत्रालय की ओर से केवल एक बयान आया।

शिवपाल बोले- 2047 का सपना न दिखाएं, 2025 की सच्चाई का सामना करे सरकार

यूपी विधानमंडल में प्रदेश के विकास के लिए विजन डॉक्युमेंट-2047 पर चर्चा शुरू हो गई है। यह चर्चा 14 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे तक लगातार चलेगी। चर्चा में विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश-2047 विषय पर चर्चा की जा रही है। चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सरकार से बीते साढ़े आठ वर्षों में किए गए विकास कार्यों पर सवाल किया। यूपी विधानसभा में कांग्रेस दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि आज 2047 में भारत को विकसित बनाने की बात की जा रही है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारी आज की जो सफलताएं हैं वो हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के विजन का ही परिणाम हैं। वो चाहे चंद्रयान हो या फिर आईआईटी और एम्स। उन्होंने विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर कहा कि आज हमारे प्रदेश में किसानों की क्या स्थिति है। उनको लेकर जो वादे किए गए थे वो अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। किसानों को एमएसपी नहीं दी गई है। कृषि के उपकरण सस्ते नहीं किए गए हैं। वहीं, खाद की बोरी भी उन्हें नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार का स्वास्थ्य का बजट पूर्ण बजट का सिर्फ छह प्रतिशत है। आयुष्मान योजना में धांधली की खबरें आ रही हैं। बेरोजगारी युवाओं के लिए सबसे बड़ा दंश है।

सरकार योजनाओं का ढिंढोरा तो पीटती है पर उन्हें पूरा नहीं कर पाती है।विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर चर्चा करते हुए सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा ने अभी तक युवाओं को रोजगार देने का वादा पूरा नहीं किया। किसानों को एमएसपी नहीं दी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब सरकार कह रही है कि 22 साल बाद आज के जो युवा हैं उनके पोते-पोतियों को नौकरी देंगे। उन्होंने कहा कि 2047 का क्या भरोसा है? सरकार ने 2022 तक सभी को घर देने का वादा किया था पर अभी तक पूरा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा को 2047 का सपना नहीं दिखाना चाहिए बल्कि 2025 की सच्चाई का सामना करना चाहिए।सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं। 2047 में युवाओं को नौकरी देने की बात की जा रही है तो क्या बुढ़ापे में नौकरी देंगे। सपा के अन्य नेताओं ने कहा कि हम किसानों पर बात करना चाहते हैं। नौजवानों पर बात करना चाहते हैं। सरकार अब तक रोजगार नहीं दे पाई है। हम इस पर चर्चा करना चाहते हैं।

संपादकीय Editorial

Election Commission's accountability

Election Commission's accountability lies with it. If serious allegations of 'vote theft' are being levelled and about 300 MPs are on the streets on that issue, then this is not a normal situation. Election Commission cannot avoid it and neither can it wait for the affidavit of the opposition leader. The Constitution has entrusted the responsibility of fair and impartial elections to the Election Commission, hence the proper accountability also lies with it. The Commission should itself give clarification on 'vote theft'. The average citizen has feelings of respect and reverence for the judiciary, Parliament and Election Commission. Those feelings should not be broken. However, the Commission has assured by giving an affidavit in the Supreme Court on Saturday that the side of the 65 lakh questionable voters who have been excluded from the voter list of Bihar can be heard. If the names of eligible and qualified voters registered in the list till now are removed, then proper notices will be issued to them, their clarifications will be heard, then the Commission will decide whether they are eligible voters or not. In the context of Bihar, this process will continue till September 1. The hearing on this matter was scheduled in the Supreme Court on Tuesday and Wednesday. Only after that a decision will come out, but the Election Commission should not be embarrassed. The kind of adjectives, metaphors and similes being used for the Commission in the media are indecent and indecent. This is not freedom of expression. The Election Commission should neither remain silent on the allegations of being 'BJP' nor should it deny the allegations. It should take action in the alleged cases and make it public before the country how much the allegations of 'vote theft' are factual and how much they are biased? The opposition has alleged that 80,100 or more voters have been made at a single address. Such reports are coming from many states of the country. The Commission should give an explanation, but its social and working background should also be known. By the way, let us tell you that more than 45 crore people in the country are migrants. They have to leave the address of their old house and add the address of the new place. This process is very difficult for workers and labourers of the unorganized sector. Activities and reviews of deletion and addition of voters' names have been going on. There are more than 95 crore registered voters in India. There are more than 30 lakh people in metropolitan cities who do not have a fixed address. To get a voter ID card, they depend on the person who allows them to use the 'home address'. About 1 crore workers working on construction sites in the country live on the same site or nearby or are forced to live at some address of the contractor. Do they not have the right to vote? How can such people have a permanent or ancestral address? We do not claim that there is no fraud in the process of making cards of many voters at the same address. Political parties have been doing this to strengthen their vote bank, but overall this matter is very sensitive. The Election Commission should also understand. We believe that there should be no politics on this issue. There have been incidents of fake votes or printing or looting of booths on the day of voting. However, now voting is done through EVMs. Many opposition parties have objections to that too. In the present circumstances, there should be no 'vote theft' and the Commission is responsible for this. It is worth mentioning that for those whose voting rights will be taken away, the meaning of democracy is 'zero'. If their representatives are not in the houses, what kind of democracy will it be! It is the constitutional right of the Election.

Long process of impeachment, investigation committee formed

It is shameful that Yashwant Verma does not feel the need to resign even after the Supreme Court committee investigating the discovery of half-burnt notes in his residence put him in the dock and refused to accept his argument that his explanation was not trustworthy. It cannot be satisfied that the impeachment process against Justice Yashwant Verma, who was sent to Allahabad High Court due to the discovery of half-burnt notes in his official residence, seems to be moving forward. Along with accepting the impeachment motion signed by a sufficient number of MPs, the Lok Sabha Speaker also formed a committee to investigate the serious allegations against Yashwant Verma, which includes a Supreme Court judge as well as the Chief Justice of Madras High Court. When this committee submits its report, the impeachment motion will come up for discussion in Parliament. It is believed that this may happen in the winter session. This means that Yashwant Verma will continue to enjoy the facilities and continue to be called a judge for a few more months. Will this not be a mockery of the judiciary and democracy? A lot of half-burnt currency notes were found in Justice Yashwant Verma's official residence in Delhi in March this year. He could not explain how such a huge amount came from and who kept it in his official residence. If he is to be believed, someone has conspired against him. Is this easy to digest? After all, who can keep such a large number of currency notes in the official residence of a High Court judge? It is not right at all that Justice Yashwant Verma, who prima facie appears guilty of serious corruption, instead of resigning, seems to be adamant on facing the impeachment process. This is only hurting the reputation of the Indian judiciary. It is shameful that Yashwant Verma does not feel the need to resign even after the Supreme Court committee investigating the discovery of half-burnt currency notes in his residence put him in the dock and refused to accept his argument that his explanation is not trustworthy. It cannot be ignored that the Supreme Court itself rejected his petition in which he had challenged the report of the Supreme Court's internal investigation committee against him. Ideally, he should have resigned as soon as this petition was rejected, but it seems that he will try to defend himself while facing the impeachment process. Perhaps this is because so far no impeachment motion has been passed against any judge of the higher judiciary. Undoubtedly, this does not mean that there is no corruption in the higher judiciary. The truth is the opposite. It would be better if some easy system is made to get rid of judges surrounded by serious allegations of corruption. One cannot be satisfied with the fact that the impeachment process against Justice Yashwant Verma, who was sent to the Allahabad High Court after half-burnt notes were found in his official residence, seems to be moving forward. Along with accepting the impeachment motion signed by a sufficient number of MPs, the Lok Sabha Speaker constituted a committee to investigate the serious allegations against Yashwant Verma, which includes a Supreme Court judge as well as the Chief Justice of the Madras High Court. When this committee submits its report, then the impeachment motion will come up for discussion in Parliament. It is believed that this may happen in the winter session. This means that Yashwant Verma will continue to enjoy the facilities and continue to be called a judge for a few more months. Will this not be a mockery of the judiciary and democracy? Many half-burnt notes were found in Justice Yashwant Verma's government residence in Delhi in March this year.

Be cautious about Kashmir, real peace will come only when Kashmiri Hindus can return to their homes safely

The peaceful completion of the assembly elections and the participation of people in large numbers was also encouraging. It is natural for Pakistan to be disturbed by all this. The terrorist attack in Pahalgam was the result of this irritation, to which India gave a very strong response in the form of Operation Sindoor on the diplomatic and military front. It has been six years since Article 370 was removed from Jammu and Kashmir. Many events were held on this occasion, but a little before this, the ruling National Conference in this Union Territory sought permission to organize Martyrdom Day on July 13. This permission was a kind of provocative action. After the formation of Jammu and Kashmir and Ladakh as separate Union Territories and constitutional changes in August 2019, the celebration of Martyrdom Day was banned, because a large population and especially non-Muslims were uncomfortable with it. In such a situation, it is natural to question the intention of Chief Minister Omar Abdullah to organize Martyrdom Day. When things are becoming normal, why does he want to do something that increases tension? If we turn the pages of history, then Martyrdom Day was organized for the first time in Jammu and Kashmir on July 13, 1948. The roots of this event are linked to an incident of 1931. In the North West Frontier Province, an English officer had a cook named Abdul Qadir. That cook revolted against the Maharaja. After being arrested on charges of treason, he was put in Srinagar Central Jail. This gave rise to a doubt that why did a Muslim from the North West Frontier Province want to dethrone the Maharaja of Jammu and Kashmir? What did he have at stake in this or was he just a pawn in a big British conspiracy? People took to the streets to protest against Qadir's arrest and demand his release. The protesters gathered outside the jail on July 13, 1931 became violent and were hell-bent on looting and destroying the property of Hindus. The state had to intervene, in which some protesters died. After this, violence engulfed other parts of the city as well. Maharajganj area suffered the most damage. The way the rioters cut the telephone and electricity wires, it strengthened the suspicion that all this was planned. Shops and houses of Hindus were set on fire. Women were harassed. 22 rioters were killed in the defensive action of the police. Under the guise of this incident, the British were successful in pressurizing the Maharaja and taking the area of Gilgit on lease from him. This conspiracy was probably hatched by the British. At that time, the British were worried about Russian expansionism and wanted control over Gilgit. Gilgit is strategically located between Russia, China and Afghanistan, which the British wanted to use as a buffer in view of Russian expansion. In the year 1935, the British acquired direct administrative control of this area by taking Gilgit on lease for 60 years. This lease was no longer effective after the partition of India in 1947. At that time, Sheikh Abdullah wanted to cash in on the communal division. In 1932, he formed a new party named Jammu and Kashmir Muslim Conference. To expand its scope, it was renamed Jammu and Kashmir National Conference in 1939. After merging with India in October 1947, Maharaja Hari Singh appointed Sheikh Abdullah as the Prime Minister of Jammu and Kashmir on March 5, 1948, on the insistence of Prime Minister Nehru. In the same year, Sheikh Abdullah started the tradition of celebrating July 13 as Yaum-e-Shuhada i.e. Martyrdom Day and declaring it a public holiday in the memory of those killed. This was a step taken with the aim of increasing political influence. Sheikh resorted to communal sentiments to strengthen his hold on power. Talking about the state of Kashmir, the Dogra rule was the most prosperous for it. Portraying a well-planned conspiracy to dethrone one of its kings as a freedom movement would be a completely wrong assessment of the circumstances of that time. The protesters targeted the minority Hindu community and looted. Such people should never be given the status of martyr. This is the reason why July 13 is seen as a black day in the Jammu division. Was the current Chief Minister Omar Abdullah also trying to incite communal tension on the pretext of Martyrdom Day, following in the footsteps of his grandfather? In the uncertain geopolitical scenario, the risks increase further, because it is not hidden from anyone that Omar is promoting his interests through this. From China to America and Pakistan, everyone keeps playing their tricks in this region. Therefore, this step should not be ignored at all. This can spoil the efforts due to which the situation in Jammu and Kashmir has improved for some time. Last year, not a single incident of stone pelting was seen here. The number of terrorist incidents has also decreased. A big proof of the normalization of the situation in the state is the sharp increase in the arrival of tourists. The peaceful completion of the assembly elections and the participation of a large number of people was also encouraging. It is natural for Pakistan to be disturbed by all this. The terrorist attack in Pahalgam was the result of this irritation, to which India gave a very strong reply in the form of Operation Sindoor on the diplomatic and military front. Along with this military action, we cannot ignore the fact that those who carried out the attack in Pahalgam got support and cooperation from the local people. It would be better if we 19 January should be celebrated as Chetna Diwas in Jammu and Kashmir. On this day in 1990, Hindus were massacred and evicted from the Kashmir Valley. This was a big blow to the collective consciousness of the nation. Real peace will come to Jammu and Kashmir only when Kashmiri Hindus can return home safely, but this cannot happen in any kind of polarized environment. Dhruv C. Katoch. It has been six years since Article 370 was removed from Jammu and Kashmir. Many events were held on this occasion, but a little before this, the ruling National Conference in this Union Territory sought permission to organize Martyrdom Day on 13 July. This permission was a kind of provocative action. After the formation of separate Union Territories of Jammu and Kashmir and Ladakh in August 2019 and constitutional changes, the celebration of Martyrdom Day was banned, because a large population and especially non-Muslims were uncomfortable with it. In such a situation, it is natural to question the intention of Chief Minister Omar Abdullah to organize Martyrdom Day. When things are getting normal then why do they want to do something that increases tension? If we turn the pages of history, then Shaheedi Diwas was organized for the first time in Jammu and Kashmir on July 13, 1948. The roots of this event are linked to an incident of 1931. In the North West Frontier Province, an English officer had a cook named Abdul Qadir. That cook revolted against the Maharaja. After his arrest on charges of treason, he was put in Srinagar Central Jail. This gave rise to a doubt that why did a Muslim from the North West Frontier Province want to dethrone the Maharaja of Jammu and Kashmir? What did he have at stake in this or was he just a pawn in a big British conspiracy? People came out on the streets to protest against Qadir's arrest and demand his release.

उत्तराखंड के पहाड़ों में तीन दिन भारी बारिश का अनुमान, चिंता में किसान

मुरादाबाद/पाकबड़ा- पहाड़ों में तीन दिन भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। इससे जिले में किसान और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की चिंता बढ़ रही है। नदियों का जलस्तर यदि और बढ़ा तो जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में और तबाही मचेगी। फिलहाल मुरादाबाद में रामगंगा नदी का जल उतार पर है, लेकिन गागन बढ़ते क्रम में है।उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में 13 से 15 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट है। जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी नदियों का जलस्तर बढ़ने की आशंका है। पहले से बाढ़ प्रभावित 67 गांवों में यदि नदी का जलस्तर और बढ़ने से अतिरिक्त पानी आया तो और मुश्किल होगी। 62 गांवों में फसलें जलमग्न होने से किसानों की चिंता बढ़ेगी। राहत यह है कि मुरादाबाद में रामगंगा नदी का जलस्तर घट रहा है। कलेक्ट्रेट स्थित जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार सुबह 10 बजे कटघर रेलवे पुल पर रामगंगा का जलस्तर 190.01 मीटर रिकॉर्ड किया गया। जबकि शाम को यह घटकर 189.77 मीटर पर आ गया। लेकिन रामगंगा का कालागढ़ में और गागन नदी का जलस्तर मुरादाबाद में मंगलवार को भी बढ़ते क्रम में रहा। नदियों के जलस्तर के साथ बाढ़ प्रभावित गांवों की भी निगरानी कर रिपोर्ट ली जा रही है। मंगलवार को जिले में कुल 53.69 मिलीमीटर बारिश हुई। जिसमें सर्वाधिक मुरादाबाद सदर तहसील और सबसे कम कांठ में बारिश हुई। चिंता की बात यह है कि गागन का जलस्तर बढ़ने से पाकबड़ा व आसपास के एक दर्जन गांवों में पानी घुस गया है। नया मुरादाबाद स्थित हर्बल पार्क के पीछे गागन नदी का जलस्तर मंगलवार को भी बढ़ा हुआ दिखाई दिया। जलस्तर बढ़ने पर वहां पर देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट रही है। बाढ़ प्रभावित गांवों में उत्तमपुर बहलोलपुर, मलकद्दा, डिडौरा, डिडौरी, ज्ञानपुर, चौधरपुर, सिकंदरपुर, शाह आलमपुर आदि शामिल हैं। इन गांवों में स्थानीय स्तर पर लोग रात में जाग कर जलस्तर पर नजर रखे हैं। यह है नदियों का जलस्तर रामगंगा कटघर रेलवे पुल 189.77 उतार रामगंगा कालागढ़ बांध 349.84 चढ़ाव गागन मुरादाबाद 192.45 चढ़ाव तहसीलवार बारिश मुरादाबाद सदर 34 मिलीमीटर कांठ 1.16 बिलारी 8.33 ठाकुरद्वारा 10.2 मिलीमीटर

बाढ़ से टकराकर चिरवारा बांध टूटा...कई गांवों में घुसा पानी

मुरादाबाद- पहाड़ों पर बरसात के बाद उफनाई गंगा से बने बाढ़ के हालात के बीच मंगलवार को गुन्नौर तहसील के चिरवारा में गंगा किनारे बना बांध टूटने से हड़कंप मच गया। प्रशासनिक अफसरों की मौजूदगी में सरकारी अमले व ग्रामीणों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद बांध की मरम्मत की। गंगा में जलस्तर बढ़ने के कारण बाढ़ का पानी सुरक्षा बांध से टकराने लगा है। दबाव पड़ने से रात्रि के समय चिरवारा बांध टूट गया। जिसके चलते पानी गांव चिरबारा, नगला डुमायल,सिंघोंला पुख्ता सहित आदि गांवों के जंगलों में पानी बढ़ने लगा। तोतापुर गांव के नजदीक सड़क कट गई जिसके चलते चार पहिया वाहन गांव में नहीं आ सकता । कई घरों में तीन-तीन फुट तक पानी भर गया है। बझांगी गांव को बाढ़ ने घेर लिया है। उदयवीर, कल्याण ,नन्हे, देवेन्द्र,मंगली सहित आदि के घरों में पानी प्रवेश कर गया है। प्रशासन द्वारा साधू मढ़ी आश्रम गंगा घाट पर नाव का बंदोबस्त कराया गया है। जहां किसान नाव की सुविधा मिलने के चलते अपने खेतों से चारा काट कर ला रहे हैं। आनन फानन में कराई टूटे बांध की मरम्मत जुनावई,अमृत विचार- गुन्नौर तहसील के चिरवारा में बांध टूटने की खबर के बाद जहां तमाम ग्रामीण इकटठा होकर मौँके पर पहुंचीं वहीं एसडीएम वंदना मिश्रा सरकारी अमले व बुलडोजर को लेकर बांध की मरम्मत कराने के लिए पहुंच गईं। कई घंटे की मशक्कत के बाद बांध को दुरुस्त कर दिया गया। उपजिलाधिकारी वंदना मिश्रा ने बताया कि गांव चिरवारा के नजदीक बांध कट जाने की सूचना पर मौके पर पहुंचकर मरम्मत का काम करा दिया गया है। बांध कटने से किसी गांव में पानी नहीं पहुंचा है केवल खेतों में पहुंचा है। चार गांव की बिजली आपूर्ति की गई बंद बबराला। गंगा किनारे बसे गांवों में बाढ़ को देखते हुए एहतियात के तौर पर बबराला खंड क्षेत्र के चार गांवों की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई है। अधिशासी अभियंता अजय शुक्ला ने बताया कि मध्यांचल विद्युत वितरण निगम, बदायूं को बाढ़ संभावित गांवों में चौकसी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हम हालात पर लगातार निगाह बनाये हुए हैं।

किसान तिरंगा यात्रा में कॉरपोरेट खेती छोड़ो के लगे नारे

मुरादाबाद- स्वतंत्रता दिवस को लेकर बुधवार को रामपुर शहर में भाकियू (टिकैत) के कार्यकर्ताओं ने किसान तिरंगा रैली निकाली। इस दौरान शहर की सड़कों पर देशभक्ति नारे गूंजे। वहीं किसानों ने बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत छोड़ो और कॉरपोरेट खेती छोड़ो जैसे नारे लगाए। किसान रैली में युवा भी बाइक रैली के रूप में शामिल हुए। किसानों ने डीएम के जरिए राष्ट्रपति को ज्ञापन भी भेजा। राष्ट्रीय आह्वान पर जिले भर के किसान ट्रैक्टर और दूसरे वाहनों पर तिरंगा लगाकर जिला मुख्यालय पहुंचे। वाहनों का काफिला नैनीताल रोड से हाईवे होकर प्रदेश महासचिव हसीब अहमद के नेतृत्व में बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत छोड़ो और कॉरपोरेट खेती छोड़ो आदि नारे लगाते हुए सिविल लाइंस थाने और आंबेडकर पार्क के सामने से गुजरते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचा। किसानों ने यहां प्रदर्शन कर डीएम के जरिए राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। इससे पहले युवा किसान नेता फहद अहमद के नेतृत्व में युवा प्रदेश कैंप कार्यालय पर एकत्र हुए। इसके बाद बाइक रैली निकाली,जो जौहर रोड होकर गांधी समाधि पहुंची। युवाओं ने भी ज्ञापन सौंपा। इसके बाद में युवा माला रोड से शौकत अली रोड होते हुए पुनः कार्यालय पहुंचे। प्रदेश महासचिव हसीब अहमद समेत कई पदाधिकारियों ने इनका स्वागत किया। रैली के दौरान कई मार्गों पर जाम की स्थिति बनी रही। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल तैनात रहा। रैली में जिलाध्यक्ष जगजीत सिंह गिल , जिला प्रवक्ता मंजीत सिंह अटवाल, प्रदेश सचिव दरयाव सिंह यादव, रामबहादुर यादव, मो. तालिब, राजपाल चौधरी, राहत खान, दीपचंद लोधी, जुवैद आलम, मुस्तकीम, मुजक्किर, नरोत्तम, गुरप्रीत अटवाल, मुर्शिद, राशिद चौधरी, खलील अहमद, छिड़ा नेता, प्रमोद यादव, तारिक ख़ान, चन्ना ख़ान, अनमोल पांडे, आनंद पांडे, शुभम, मनजोत सिंह, नवजोत सिंह, वीरेंद्र सिंह, शिवम चौधरी, विशाल चौधरी सहित अन्य किसान मौजूद रहे। ज्ञापन के मुख्य बिंदु - अमेरिका द्वारा थोपे गए 25 प्रतिशत टैरिफ का विरोध किया जाए। प्रोसेस्ड फूड, डेयरी से किसानों की आय और छोटे कृषि व्यवसायों को नुकसान पहुंचेगा। राष्ट्रीय सहकारी नीति नहीं चाहिए। सीटू प्लस 50 प्रतिशत फार्मूले पर सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की गारंटी हो और सरकारी खरीद सुनिश्चित की जाए। समग्र कर्ज माफी हो, माइक्रो फाइनेंस कंपनियों द्वारा उत्पीड़न बंद हो। कानून बनाकर गांवों में उत्पादक सहकारी समितियों की स्थापना की जाए जो किसान और कृषि श्रमिक परिवारों को बिना ब्याज कर्ज दें सकें। बिजली क्षेत्र के निजीकरण का विरोध हो और स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएं। लंबित बिजली बिल माफ किए जाएं। ग्रामीण क्षेत्र को 18 घंटे 300 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाए। पंजाब सरकार की लैंड पूलिंग नीति को अस्वीकार करें। सभी सरकारी पेंशन 10 हजार प्रति लाभार्थी दी जाए। दस साल से पुराने ट्रैक्टर और अन्य डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने की सरकारी नीति अस्वीकार की जाए। वन अधिकार अधिनियम 2006 को लागू किया जाए। उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्कूलों को बंद करने की नीति नहीं चाहिए। पुलिस और प्रशासन द्वारा समर्थित साम्प्रदायिक हिंसा को रोका जाए।

सांसद बर्क पर 1 लाख 35 हजार जुर्माना, मकान का अवैध निर्माण तोड़ने का आदेश

मुरादाबाद- संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमन बर्क द्वारा मानचित्र स्वीकृत कराये बिना मकान निर्माण मामले में एक लाख 35 हजार रुपये का जुर्माना लगाने के साथ ही संशोधित मानचित्र के अनुसार भवन के कुछ हिस्सों को 30 दिन में तोड़ने का आदेश जारी किया है। न तोड़ने पर पूरे निर्माण को अवैध मानकर ध्वस्त करने की चेतावनी दी। सांसद जियाउर्रहमान द्वारा दीपा सराय में बिना नक्शा पास कराए मकान के निर्माण के मामले में 5 दिसंबर 2024 को विनियमित क्षेत्र प्रधिकारी द्वारा नोटिस जारी किया गया था। सांसद की तरफ से जवाब दिया गया कि पुश्तैनी मकान में निर्माण किया गया है। मकान उनके दादा डा. शफीकुर्रहमान बर्क का था जो उनके इंतकाल के बाद उनके पिता ममलूकुर्रहमान बर्क का हो गया है। नियत प्राधिकारी ने नगर पालिका से रिकार्ड मंगाया तो मकान सांसद जियाउर्रहमान बर्क के नाम पर मिला। 2 अगस्त को सांसद जियाउर्रहमान बर्क व उनके पिता ममलूकुर्रहमान बर्क की और से नियत प्राधिकारी के न्यायालय में संशोधित मानचित्र दाखिल किया गया। नियत प्राधिकारी उप जिलाधिकारी विकास चंद्र ने संशोधित मानचित्र को शमन स्वीकृति प्रदान कर दी। मंगलवार को जारी आदेश में कहा कि सांसद बर्क को शमन शुल्क 5707 जमा करना होगा। इसके साथ ही बिना मानचित्र स्वीकृत कराये किये गये निर्माण को बंद न करने और इसकी सूचना न देने को लेकर 10 हजार रुपये व पहला नोटिस जारी होने की तारीख यानि 5 दिसंबर 2024 से 12 अगस्त 2025 तक 500 सौ रुपये रोजाना के हिसाब से 250 दिन का 1 लाख 25 हजार मिलाकर कुल 1 लाख 35 हजार रुपया जुर्माना अदा करना होगा। पूरा मकान ध्वस्त करने की चेतावनी नियत प्राधिकारी उपजिलाधिकारी विकास चन्द्र ने सांसद जियाउर्रहमान बर्क द्वारा प्रस्तुत संशोधित मानचित्र को स्वीकार करते हुए कहा कि संशोधित मानचित्र के हिसाब से मकान के एक मीटर लंबे और 14 मीटर चौड़े हिस्से में हुए निर्माण को 30 दिन में खुद हटाना होगा। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

किशोरी से रेप का आरोपी गिरफ्तार...झांसा देकर डेढ़ साल तक लूटी अस्मत

मुरादाबाद- किशोरी को शादी का झांसा देकर युवक डेढ़ वर्ष से दुष्कर्म करता रहा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेजा है। थाना टांडा के गांव सेठाखेड़ा निवासी अजय मोहन का कोतवाली के एक गांव में आना जाना था। जिस पर युवक की एक किशोरी से जान पहचान हो गई और दोनों में प्रेम प्रसंग हो गया। युवक ने किशोरी को शादी करने का झांसा देकर शारीरिक संबंध बना लिए। जब किशोरी युवक से शादी करने को कहती तो टाल-मटोल कर देता था। इसी तरह युवक किशोरी के साथ लगातार डेढ़ वर्ष तक दुष्कर्म करता रहा। दो दिन पूर्व किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया था। मंगलवार को क्राइम इंस्पेक्टर जयपाल सिंह ने गांव अलीनगर के तिराहे पर क्राइम इंस्पेक्टर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने आरोपी को जेल भेजा है।

रामपुर में 118 करोड़ रुपये से बनेगा इनलैंड कंटेनर डिपो

मुरादाबाद- उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने रामपुर में अत्याधुनिक इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) की स्थापना के लिए औपचारिक तौर पर मंजूरी दे दी है। जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने बताया कि यह परियोजना दिल्ली इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल प्राईवेट लिमिटेड द्वारा 118 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि परियोजना क्षेत्र के निर्यात ढांचे के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रामपुर में बनने वाला यह इनलैंड कंटेनर डिपो रामपुर और आस-पास के जिलों के निर्यातकों के लिए एक प्रमुख लॉजिस्टिक हब के रूप में कार्य करेगा। कंटेनरयुक्त माल की हैंडलिंग, कस्टम क्लियरेंस की सुविधा और बंदरगाहों से बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी, जिससे परिवहन समय और परिचालन लागत में कमी आएगी। विकास क्षेत्र के निर्यातकों की घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को भी काफी बढ़ाएगा। अब तक रामपुर के निर्यातकों को कंटेनरयुक्त माल के लिए केवल मुरादाबाद इनलैंड कंटेनर डिपो पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन मुरादाबाद इनलैंड कंटेनर डिपो पहले से ही अपनी क्षमता से अधिक काम कर रहा है, जिसके कारण माल हैंडलिंग में देरी होती है। साथ ही इसका स्थान मुरादाबाद शहर के बीच में होने के कारण यातायात जाम से संचालन में भी विलंब होता है। रामपुर का नया इनलैंड कंटेनर डिपो इन समस्याओं को कम करेगा, तेज़ टर्नअराउंड समय देगा और निर्यातकों के लिए आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता को बढ़ाएगा। उपायुक्त उद्योग मुकेश कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी ने इस परियोजना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच समन्वय कर समय पर स्वीकृतियां और अनुमतियां सुनिश्चित कराईं। उनके इस सक्रिय सहयोग से ही इस इनलैंड कंटेनर डिपो की स्थापना की प्रक्रिया तेज हुई है। रामपुर में इनलैंड कंटेनर डिपो की स्थापना से क्षेत्र की व्यापारिक लॉजिस्टिक संरचना में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और रामपुर उत्तर प्रदेश के निर्यात विकास में एक अहम केंद्र के रूप में उभरेगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

अतीत का आइना...कांग्रेस व मुस्लिम लीग अलग हुए तो खिलाफत आंदोलन पड़ा था कमजोर

रामपुर- खिलाफत आंदोलन में मोहम्मद अली जौहर और महात्मा गांधी ने प्रथम विश्व युद्ध के बाद खलीफा और ओटोमन साम्राज्य पर लगाए गए प्रतिबंधों का विरोध किया और धर्मनिरपेक्षता की ओर बढ़े। इतिहासकार नफीस सिद्दीकी ने कांग्रेस के लिए काम करने और मुस्लिम गया। इतिहासकार नफीस सिद्दीकी ने शौकत अली ने खिलाफत आंदोलन को और मुस्लिम लीग में मुसलमानों के बंटने में तुर्क नेता मुस्तफा कमाल पाशा की खदेड़ दिया। उन्होंने भारतीयों की कोई तभी से खिलाफत आंदोलन का अंत हो औपनिवेशिक सरकार के प्रतिरोध और जेल में बिताए थे। तुर्की के स्वतंत्रता संग्राम लिए डर था, जिसकी रक्षा करने के लिए के लिए, तुर्की में साथी मुसलमानों के अभिशाप थी। इसके संस्थापकों और

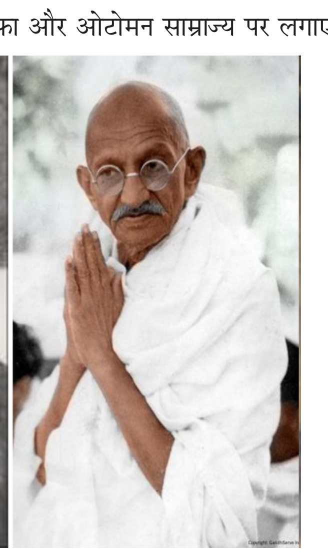

बताया कि मुसलमानों को खिलाफत आंदोलन के तहत लीग के बीच विभाजित किया तो आंदोलन कमजोर पड़ बताया कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर और मौलाना धार दी। लेकिन, महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के बाद खिलाफत आंदोलन कमजोर पड़ गया। वर्ष 1924 सेना ने तुर्किस्तान में जीत हासिल की और अंग्रेजों को मदद नहीं ली और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की स्थापना की। गया। उन्होंने बताया कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने खिलाफत के समर्थन की वकालत करने के लिए चार साल की शुरुआत में मुस्लिम धार्मिक नेताओं को खिलाफत के यूरोपीय शक्तियां अनिच्छुक थीं। भारत के कुछ मुसलमानों खिलाफ लड़ने के लिए नियुक्त किए जाने की संभावना अनुयायियों के लिए, खिलाफत एक धार्मिक आंदोलन नहीं था, बल्कि तुर्की में अपने साथी मुसलमानों के साथ एकजुटता का प्रदर्शन था। खिलाफत आंदोलन भारतीय मुस्लिम आंदोलन (1919-1924) एक था अखिल इस्लामी राजनीतिक विरोध अभियान के मुसलमानों द्वारा शुरू की गई। ब्रिटिश भारत के नेतृत्व में मौलाना मोहम्मद अली जौहर, शौकत अली, हकीम अजमल खान और मौलाना अबुल कलाम आजाद ने तुर्क खलीफा जो एक प्रभावी राजनीतिक अधिकार के रूप में मुसलमानों के नेता माने जाते थे। खिलाफत को बहाल कराने के लिए प्रयास किए जोकि, यूरोपीय शक्तियों के कारण सफल नहीं हो सके।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 ख्वा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

व्रत पालन करना जीवन का महत्व पूर्ण अंग है – विदुषी अंजलि आर्या

क्यूँ न लिखूँ सच/ बरेली। आर्य समाज मंदिर बिहारी पुर आर्य समाज गली, निकट घंटा घर , महर्षि दयानंद सरस्वती चौक बरेली में आयोजित हो रहे हैं 143 वां वेद प्रचार उत्सव के चतुर्थ दिवस बुधवार को करनाल से पधारी अंतरराष्ट्रीय वैदिक भजनोपदेशिका विदुषी अंजलि आर्या ने उपस्थित श्रोताओं को व्रत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मन में दृढ़ संकल्प लेकर किसी कार्य को पूर्ण करने में अपनी समस्त शक्तियों का उपयोग करना ही व्रत है। महाभारत के प्रसंग प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि भीष्म पितामह ने आजीवन ब्रह्मचारी रहकर राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प लिया था । इस प्रकार यह संसार पुन: स्वर्ग के समान बन सकता है। इसी प्रकार योगेश्वर श्रीकृष्ण ने समस्त आततायियों का वध करने का संकल्प लिया था जिसको पूरा करने में उन्होंने आजीवन अपनी समस्त शारीरिक व मानसिक शक्ति से कर्म किए। वर्तमान समय में हुतात्मा उधम सिंह ने जलियांवाला बाग में निर्दोष देशवासियों को मारने वाले जनरल डायर का वध करने का व्रत लिया था, जिसको उन्होंने इंग्लैंड जाकर पूर्ण किया। हम सभी को समाज व राष्ट्र हित में कार्य करने का व्रत लेना चाहिए। आज आवश्यकता है, हम सभी स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए स्वदेशी उत्पादों के उपयोग का व्रत ले। सभी श्रोताओं ने उनके आह्वान पर स्वदेशी उत्पादों का अधिकाधिक उपयोग करने का व्रत लिया। कार्यक्रम के अंत में मंदिर के प्रधान सुशील कुमार अग्रवाल ने सभी उपस्थित धर्म प्रेमी सज्जनों को धन्यवाद दिया तथा दिनांक 13 अगस्त तक आयोजित हो, रहे 143 वें वेद प्रचार उत्सव में प्रति दिन आने का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम में आर्य विनय सक्सेना, आचार्य गौरव कुमार, संदीप अग्रवाल, उमा अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बर्ड फ्लू को लेकर अलर्ट, मुर्गियों-अंडों की सप्लाई रोकी, पोल्ट्री फार्मों पर निगरानी के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। पड़ोसी जिले रामपुर में बर्ड फ्लू के मामले सामने आने के बाद बरेली जनपद में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सीवीओ) की ओर से अलर्ट जारी किया गया है।

रामपुर से आने वाली मुर्गियों व अंडों की सप्लाई रोक लगा दी गई है। पशुपालन विभाग ने सभी छह चौकियों को सक्रिय कर दिया है। यही नहीं, डिप्टी सीवीओ को पोल्ट्री फार्मों पर नजर रखने और बाहर से आने वाले मुर्गों-मुर्गियों और अंडों की सप्लाई की निगरानी बढ़ाने के लिए कहा गया है। तहसील स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीमें सक्रिय की जा रही हैं। जिले में 110 पोल्ट्री फार्मों में मुर्गा-मुर्गियों की संख्या 3.20 लाख बताई जा रही है। पोल्ट्री फार्म मालिकों को भी सचेत किया गया है। पड़ोसी जिले में बर्ड फ्लू के मामले सामने आने के बाद से पोल्ट्री फार्म के मालिक भी परेशान हैं। सीवीओ डॉ. मनमोहन पांडेय ने बताया कि बर्ड फ्लू मामले में मंगलवार को डीएम की अध्यक्षता में बैठक भी हुई है। इसमें एहतियात बरतते हुए जिले में मुर्गियों व अंडों की सप्लाई रोकने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए डीएम की तरफ से एडवायजरी जारी की जाएगी। साथ ही जिले की सीमाओं पर निगरानी बढ़ाने के लिए पुलिस का सहयोग लेने को कहा गया है। जिला व तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम भी स्थापित करने के निर्देश हुए हैं। साथ ही तहसील स्तर पर रैपिड रिस्पांस टीम को भी सक्रिय किया गया है। अपर निदेशक ने बताया कि उन्होंने मंगलवार को ही मंडल के चारों जिलों में सीवीओ को बर्ड फ्लू से बचाव के संबंध में एडवायजरी जारी कर दी है। बता दें कि रामपुर जिले में बिलासपुर के गांव सिहोरा में मेसर्स कप्तान पोल्ट्री फार्म में पिछले दिनों कुक्कुट पक्षियों में एच-5 एन-वन एवियन एंफ्लूएंजा वायरस के पॉजिटिव केस मिले थे।

विधानसभा में उठी बरेली से विभिन्न शहरों को शुरू हो उड़ान करने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने बरेली एयरपोर्ट से विभिन्न शहरों के लिए नियमित हवाई सेवा शुरू करने का मामला विधानसभा में उठाया है। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी और प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बीच का शहर बरेली है। इतना ही नहीं नाथ नगरी प्रदेश का आठवां सबसे बड़ा नगर और भारत का 50 वां सबसे बड़ा शहर माना जाता है। विधायक ने स्थानीय महत्व को बताते हुए कहा कि बरेली प्राचीन रुहेलखंड की राजधानी भी रही है। इसका ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। साथ ही यह मेडिकल, एजुकेशन और ट्रेडिंग का हब भी है। यहां पर स्थित एयरपोर्ट से कुछ शहरों के लिए उड़ानों का संचालन होता है, जो वर्तमान में अपर्याप्त हैं। डबल इंजन सरकार की नीतियों के कारण आज हवाई यात्रा सुगम हुई है। ऐसे में जनता की सुविधा का ख्याल करते हुए बरेली से जयपुर होते हुए अहमदाबाद, बरेली से लखनऊ होते हुए कोलकाता, बरेली से लखनऊ होते हुए वाराणसी, बरेली से बेंगलुरु तथा बरेली से चेन्नई होते हुए तिरुपति आदि स्थानों के लिए उड़ानों का संचालन जरूरी है। उन्होंने सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए बरेली एयरपोर्ट से अन्य शहरों के लिए नियमित उड़ान संचालित की मांग की है।

जय कन्हैया लाल की गूंज से गूंजा सरस्वती शिशु मंदिर नैनीताल मार्ग बरेली

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर नैनीताल मार्ग में आयोजित हुई श्री राधा कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता जिसमें एक से एक सुंदर स्वरूपों में सजकर आए स्वरूपों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष पुष्पार्चन कर किया गया। कार्यक्रम के महत्व को ब्रज की मुख्य धारा से जोड़ते हुए प्रधानाचार्य सुनील कुमार सिंह ने बताया कि भगवान श्री कृष्ण को योगराज कृष्ण भी कहा गया। संपूर्ण समाज को एक ऐसी दिशा देने का कार्य किया कि जिसको जन्म होते ही त्याग दिया। अपने माता-पिता के दर्शन को तरसा हुआ बालक संपूर्ण विश्व को अपना नेतृत्व दे सकता है यह सामर्थ्य केवल कृष्ण ही दे सकते हैं, इसीलिए उनको योगराज के साथ भगवान कहा गया है। शास्त्रों के अनुसार गीता का अनुसरण करके ही मनुष्य अपने जीवन की श्रेष्ठता प्राप्त कर सकता है। इसी का अनुसरण करते हुए कक्षा एनसी यू.के.जी और कक्षा प्रथम के नन्हे मुन्ने शिशु श्री राधा कृष्ण स्वरूप में अपनी भावनाएं से भगवान श्री राधा कृष्ण और प्रतीत हो रहे थे ऐसी स्थिति में निर्णय करना बहुत कठिन प्रतीत हो रहा था। निर्णायक मंडल में प्रथा सक्सेना संगीत शिक्षिका कांति कपूर, मंजू अग्रवाल पूर्व प्रांतीय शिशु वाटिका प्रमुख, अल्का उपाध्याय कला आर्टिस्ट,शिवि शर्मा मेकअप आर्टिस्ट एवं कांति कपूर विद्यालय की प्रधानाचार्या अर्चना गहलोत भी रही। कार्यक्रम का संचालन नीलम मिश्रा ने किया कार्यक्रम संयोजका अलका नवीन रही प्रतियोगिता के परिणाम में श्री कृष्णा स्वरूप में यू.के.जी के दिव्यांश एवं वेदिक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया इसी के साथ एल.के.जी शिवाय जौहरी ने द्वितीय एवं दक्ष यू.के.जी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया इसी के साथ श्री राधा स्वरुप में नियति मौर्य एन.सी की प्रथम दिव्यांशी श्रीवास्तव द्वितीय एवं कणिका यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।प्रधानाचार्य सुनील कुमार सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी को शुभकामनाएं दी । उक्त जानकारी शिशु शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश के जिला प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने दी।

विधानसभा में पेश हुआ विजन डॉक्यूमेंट, सुरेश खन्ना बोले- 2047 तक भारत बनेगा सबसे विकसित राज्य

विधानमंडल के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को विधानसभा में विजन डॉक्यूमेंट-2047 (विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश) पर चर्चा की शुरुआत हुई। विधानमंडल के मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को विधानसभा में विजन डॉक्यूमेंट-2047 (विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश) पर चर्चा की शुरुआत हुई। संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने एक शेर पढ़कर चर्चा का प्रस्ताव सदन में रखा, बड़ी मुश्किल से कोई सुबह मुस्कराती है, गम की रात दबे पांव चली आती है, वक्त लगता ही नहीं जिंदगी बदलने में, पर वक्त को बदलने में जिंदगी लग जाती है।% उन्होंने कहा कि बिना चिंतन और विचार के कोई बड़ी उपलब्धि नहीं मिलती है। विजन डॉक्यूमेंट का उद्देश्य आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर यूपी को देश का सबसे विकसित राज्य बनाना है।सुरेश खन्ना ने कहा कि बीते आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने आर्थिक क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 29.87 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, चालू वित्तीय वर्ष में इसे 35 लाख करोड़ रुपये तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें पूर्वांचल और बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में उद्योग स्थापित हो रहे हैं। वर्ष 2047 तक प्रदेश को सबसे विकसित राज्य बनाने के लिए जीरो पॉवर्टी, सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य, विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्पेस टेक्नोलॉजी और आईटी हब स्थापित करने की योजना है। ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण के लिए 242 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। नदियों के चैनलाइजेशन, सौर ऊर्जा पर शोध और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थायी सुरक्षा को मजबूत करने की योजनाएं है। कृषि क्षेत्र में नवीनतम तकनीक और बेहतर बीजों के लिए शोध को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि किसानों को तकनीकी ज्ञान और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिल सके। कर चोरी रोकने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा, आधी आबादी को आत्मनिर्भर बनाने, बच्चों में कर्तव्य बोध और देशभक्ति की भावना को प्रबल करने और योग के माध्यम से निरोग जीवनशैली को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक प्रदेश को गरीबी मुक्त करने का लक्ष्य है। पा सदस्यों ने किया हंगामा- रेश खन्ना द्वारा चर्चा का प्रस्ताव पेश करने से पहले सपा सदस्य अपनी जगह पर खड़े होकर पोस्टर लहराने लगे और प्रदेश सरकार से पहले पुराने वादे पूरे करने की मांग करने लगे। विधानसभा अध्यक्ष ने सपा सदस्यों को शांत कराया। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरकार पहले बताए कि वर्ष 2022 के संकल्प पत्र के कितने वादे पूरे हुए। इस पर चर्चा के लिए 24 घंटे का समय भी कम है। कांग्रेस दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि यह प्रदेश के भविष्य के लिए है। इस पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। सपा सदस्य संग्राम यादव ने कहा कि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में चर्चा का समय बढ़ाने को कहा गया था। भाजपा रात के अंधेरे में खेल करना चाहती है। पता नहीं किस बात का डर है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में नेता प्रतिपक्ष ने 24 घंटे चर्चा कराने को कहा था। आज अचानक उन्हें समय बढ़ाने की याद आ गई। विपक्ष का काम अराजकता फैलाना ¬ खन्ना संसदीय कार्य मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि वर्ष 2022 के लोक संकल्प पत्र के आधार पर ही जनता ने हमको चुना है। विपक्ष का काम केवल अराजकता फैलाना है। चुनाव ही वादे पूरे होने का सबसे बड़ा पैमाना होता है। जनता ने इनको कई बार सबक सिखाया है। यह देश की पहली विधानसभा है, जहां पर विजन डॉक्यूमेंट पर चर्चा होगी। सीएम योगी का सपना प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का है। लोगों के जीवन में सुधार लाने का है। आज यूपी बीमारू राज्य से विकसित राज्य बन रहा है। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हम अराजकता नहीं फैलाते हैं, बल्कि सरकार की कमियां बताते हैं। फर्जी एनकाउंटर हो रहे हैं। मजारों और मस्जिदों को तोड़ा जा रहा है। संसदीय कार्य मंत्री ने इन आरोपों का खंडन किया।

फतेहपुर मकबरे में बवाल करने में शामिल थे ये भाजपा नेता, एक सपा कार्यकर्ता भी; पप्पू सिंह ने बिगाड़ा माहौल?

फतेहपुर मकबरे में बवाल करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसओजी और इंटेलीजेंस की टीम लगी है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के मोबाइल बंद हो चुके हैं।फतेहपुर में आबूनगर मकबरा प्रकरण में उपद्रव करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसओजी व इंटेलीजेंसी विंग की टीम गठित की गई है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के मोबाइल बंद हो गए हैं। इसी वजह से लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही है। एसपी ने टीमों को धरपकड़ के लिए निर्देश दिए हैं। आबूनगर रेडुया स्थित मकबरे में सुबह करीब 11 बजे अचानक तोड़फोड़ की गई। माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। डीएम रविंद्र सिंह तीन घंटे तक लोगों को समझाते रहे। इसके बाद हालात काबू में आए। जिला व पुलिस प्रशासन ने तत्काल माहौल बिगाड़ने वालों की पहचान की। इसमें एक की पहचान हुसैनगंज थानाक्षेत्र के रहिमालन का पुरवा निवासी पप्पू सिंह चौहान के रूप में हुई है। वह समाजवादी पार्टी का सक्रिय सदस्य है। पुलिस ने पप्पू सिंह चौहान समेत 10 नामजद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। इसके अलावा 150 अन्य में नामजद किए गए हैं। पप्पू सिंह के सपा का कार्यकर्ता निकलने के बाद पार्टी की किरकिरी होने लगी। वहीं सपा की ओर से कोई मौका स्थल तक नहीं पहुंचा। इससे विशेष समुदाय के लोगों में आक्रोश है। मामला गरमाने पर सपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने मंगलवार को पप्पू सिंह चौहान को पार्टी विरोधी गतिविधियों पर संलिप्तता पाए जाने पर निष्कासित किया है।एसओजी प्रभारी विनोद कुमार यादव और इंटेलीजेंस विंग प्रभारी विनोद मिश्रा व सर्विलांस टीम आरोपियों की तलाश में जुट गईं हैं। तीनों टीमों ने संभावित स्थानों पर दबिश डाल रहीं हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के मोबाइल बंद हो चुके हैं। चर्चा है कि सारे आरोपी एक दूसरे के संपर्क में हैं। फिलहाल पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी का कोई प्रयास नहीं किया है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ईपीएफ में घोटाला की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली कॉलेज बरेली में अस्थाई कर्मचारियों के ईपीएफ में घोटाला को लेकर अब कर्मचारी कल्याण सेवा समिति बरेली कॉलेज बरेली के अध्यक्ष जितेंद्र मिश्रा ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर आज शिकायत की है। जितेंद्र मिश्रा ने बताया कि एक बरस से अधिक समय से प्राचार्य प्रो ओ पी राय से मामला निस्तारण को गुहार लगाई जा रही है। लेकिन प्राचार्य प्रो ओ पी राय समाधान नहीं करा पा रहे हैं। ज्यादा विरोध होने पर एक बार कमेटी बना दी और बताया कि रजिस्टर गायब है मिल नहीं रहा जिससे साफ प्रतीत होता है ईपीएफ में घोटाला हुआ है क्यों कि एक तिथि से सभी कर्मचारियों का ईपीएफ लागू हुआ पर एक समान जमा नहीं है। जिलाधिकारी बरेली को लिखा तब भी कुछ समाधान नहीं निकला, जनसूचना मांगी वह आज तीन महीने बीतने पर डीएम और प्रथम जनसूचना अधिकारी देवमूर्ति को पत्र लिखकर भी जनसूचना नही मिली है, ऐसे ही मेरी प्रोन्नति के मामले में प्राचार्य और सचिव प्रबंध समिति कोई भी निर्णय नहीं ले रहा है,मजबूरन मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की है, 20 अगस्त को पुन: एक पत्र जिलाधिकारी बरेली को प्रोन्नति एवम् जनसूचना तथा ईपीएफ समस्या समाधान को लिखूंगा। अगर 31 अगस्त तक समाधान नहीं होता है सभी समस्याओं का तो फिर सितंबर में 5 सितंबर को सांकेतिक भूख-हड़ताल से आंदोलन की शुरुआत करूंगा।

छह महीने बाद बरेली लौटी युवती ने किया दावा; सौतेली मां पर लगाए आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। धर्म बदलने और प्रेमी से शादी करने का दावा करने वाली युवती छह महीने बाद बरेली लौट आई है। यहां आने के बाद वह एक बार फिर चर्चा में आ गई है। युवती ने दावा किया है कि उसने न तो अपना धर्म बदला और न ही प्रेमी के साथ शादी की। वह उसके साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। उसने अपनी सौतेली मां पर फंसाने के आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि सौतेली मां ने ही उसे युवक के साथ रिश्ते में फंसाया ताकि उसे ब्लैकमेल किया जा सके। युवती ने कहा कि उसने अपना धर्म नहीं बदला है। प्रेमी के साथ शादी भी नहीं की। वह दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। आरोप लगाया कि सौतेली मां ने पहले उसे युवक से दोस्ती करने के लिए उकसाया। फिर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उसका कहना है कि सौतेली मां ने उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी। आज जब उसकी बेटी की इज्जत पर बात आई तो वह थाने पहुंच गई। युवती ने कहा कि वह मुझे बिगाड़ती रही, क्योंकि मैं सौतेली बेटी थी। दरअसल युवती ने अपनी सौतेली बहन का कोई वीडियो अपलोड किया है। उसके मुताबिक यह सब उसने अपनी सौतेली मां को सबक सिखाने के लिए किया। यहां बता दें कि युवती के खिलाफ उसकी मां ने थाने में शिकायत दी है। इसके बाद बुधवार को युवती भी थाने पहुंची। यहां उसने मीडिया से बात करते हुए यह सब बातें कहीं।

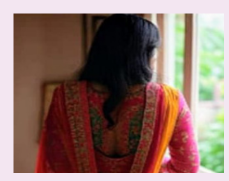

रणधीर गौड़ को राष्ट्रीय चेतना जागरण सम्मान से किया गया विभूषित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। साहित्यिक संस्था कवि गोष्ठी आयोजन समिति के तत्वावधान में एक शाम राष्ट्र के नाम काव्य संध्या का आयोजन किया गया वरिष्ठ कवयित्री शिवरक्षा पांडेय के संयोजन में हुए कार्यक्रम में कवियों ने अपने ओजस्वी काव्य पाठ से देश भक्ति से ओत-प्रोत रचना? प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनय सागर जायसवाल एवं विशिष्ट अतिथि राम कुमार कोली रहे। कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार रणधीर प्रसाद गौड़ %धीर% को अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना जागृत करने में योगदान के लिए उनके जन्म दिवस पर राष्ट्रीय चेतना जागरण सम्मान से विभूषित किया गया यह सम्मान संस्था के सचिव गीतकार उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट ने प्रदान किया। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। माँ शारदे की वंदना शिवरक्षा पांडेय ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम में ज्ञान देवी सत्यम्, दीपक मुखर्जी दीप, डॉ.बी.एन शास्त्री, रामधनी निर्मल, रामकुमार अफरोज, राजकुमार अग्रवाल,राम प्रकाश सिंह ओज, रामकृष्ण शास्त्री एवं रीतेश साहनी आदि उपस्थित रहे। संचालन मनोज दीक्षित %टिंकू% ने किया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

प्राथमिक शाला जूडवनिया का सोलर ड्यूल पंप तीन माह से खराब, स्कूली बच्चे पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पप्पू जायसवाल / सूरजपुर/चांदनी बिहारपुर – जिले के दूरस्थ अंचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर के ग्राम पंचायत उमझर अंतर्गत आश्रित ग्राम जूडवनिया स्थित प्राथमिक शाला में पेयजल संकट पिछले तीन महीनों से गहराता जा रहा है। स्कूल में लगाया गया सोलर ड्यूल पंप लंबे समय से खराब पड़ा है, जिसके चलते सैकड़ों स्कूली बच्चे और शिक्षक पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। स्कूल प्रबंधन और ग्रामीणों ने कई बार पीएचई एवं क्रेडा विभाग के अधिकारियों को पंप की मरम्मत के लिए लिखित और मौखिक शिकायतें दीं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पेयजल व्यवस्था ठप होने के कारण बच्चों को कक्षा के समय में ही पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। कई बार उन्हें मजबूरी में नदी और कुएं का पानी पीना पड़ता है, जिससे गंभीर जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पानी लाने में समय और ऊर्जा खर्च होने से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय लापरवाही और उदासीनता के कारण गांव के नौनिहाल बुनियादी सुविधा से वंचित हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों ने सूरजपुर कलेक्टर से तत्काल हस्तक्षेप कर पंप की शीघ्र मरम्मत कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

भव्य तिरंगा यात्रा से गूंज उठा ग्राम पंचायत मोहरसोप

क्यूँ न लिखूँ सच/ चांदनी बिहारपुर, आजादी के अमृत महोत्सव और स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर ग्राम पंचायत मोहरसोप में देशभक्ति के रंग में सराबोर एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। सुबह से ही गांव के हर कोने में देशभक्ति के गीत गूंजते रहे, और जैसे ही यात्रा प्रारंभ हुई, गांव की गलियां और मुख्य मार्ग तिरंगों की लहराती कतारों से भर उठे।इस अवसर पर ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। यात्रा में हर आयु वर्ग के लोग शामिल थे-बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक-सभी के चेहरे पर आजादी का उत्साह और गर्व साफ झलक रहा था। कार्यक्रम का आयोजन शक्ति केन्द्र मोहरसोप के सहयोग से किया गया, जिसमें मंडल अध्यक्ष जग प्रसाद सिंह, अवध कुमार पाठक, अध्यक्ष रामेश्वर वैश सहित मंडल के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा बूथ अध्यक्ष बिजय कुमार यादव, राजेन्द्र प्रसाद साकेत, परदिप कुमार साकेत, राजेन्द्र प्रसाद यादव, संतलाल खेरवार, ग्राम सरपंच श्रीमती बासमती खेरवार तथा अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। यात्रा का मार्ग से शुरू होकर मुख्य मार्ग, मोहल्लों और आस-पास के क्षेत्रों से होते हुए पुनः पंचायत भवन पर आकर समाप्त हुआ। जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इस तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के बलिदान को नमन करना, युवा पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करना और सामाजिक एकता का संदेश फैलाना था। अंत में सभी उपस्थित जनों ने तिरंगे की गरिमा बनाए रखने और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं प्रगति के लिए कार्य करने की शपथ ली। देशभक्ति के जोश, लहराते तिरंगों और गगनभेदी नारों से भरी यह यात्रा मोहरसोप के इतिहास में हमेशा याद रखी जाएगी।

हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम के अतंगर्त 13 अगस्त के शहीदों किया नमन

व्यापारियों ने तिरंगा यात्रा निकालकर शहीद अब्दुल मजीद को दी श्रध्दाजंली

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रयागराज – शहीद अब्दुल मजीद राईन की शहादत दिवस पर शहीद स्थल घंटाघर पर 13 अगस्त 1943 को शहीद हुए अमर शहीद अब्दुल मजीद राइन को हर घर तिरंगा अभियान के अतंगर्त नम आंखों से शहीद के भतीजे कादिर भाई ने पुषपांजली अर्पित कर शहीद चाचा के साथ मां भारती के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले सभी अमर बलदानियों को श्रध्दा सुमन अर्पित किया। सिविल लाइन व्यापार मंडल अध्यक्ष सुशील खरबंदा ने अमर शहीद मुरारी मोहन भट्टाचार्य, भगवती प्रसाद, अब्दुल मजीद राईन के शहादत पर प्रकाश डालते हुए अमर शहीदों को नमन किया। वहीं कादिर भाई ने बताया कि महात्मा गाँधी के आह्वान पर अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन प्रयागराज के घंटाघर से नौजवान का टोली तिरंगा लहराते हुए ,अग्रेजों भारत छोड़ो , इंक़लाब जिंदाबाद नारा बुलंद करते हुए शहीद अब्दुल मजीद राईन के नेतृत्व में घंटाघर से जानसेनगंज , आनंद भवन की ओर बढ़ रहे थे , तभी अंग्रेजी हुकूमत के ज़ालिम हुक्मरानो ने शहीद अब्दुल मजीद राईन ,शहीद मुरारी मोहन भट्टाचार्य एवं भगवती प्रसाद को सीने को छलनी कर दिया और भारत मां वीर सपूतों को हमेशा के लिए सुला दिया । 13 अगस्त 1943 की यह घटना की याद में बुधवार को शहीद अब्दुल राईन के भतीजे मो0 कादिर (कादिर भाई) ने देश के शहीद हुए अपने चाचा के शहादत स्थल से सद्भावना तिरंगा यात्रा घंटाघर से उठकर बजाजा पट्टी होते हुए नीम के पेड़ के नीचे शहीद स्थल पर श्रध्दाजंली देने के पश्चात् समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने हाथों में तिरंगा लेकर वंदे मातरम , जय हिंद , अमर शहीद अमर रहें , भारत माता की जय के जयकारों के साथ चौक स्थित नीम के पेड़.के नीचे पहुंच कर समाप्त हुई। इस अवसर पर सुशील खरबंदा , दिनेश सिंह, शिवशंकर सिंह ,नरेन्द्र खेड़ा मान्टू , अशीष अरोड़ा, फैय्याज अहमद, हिमांशु निक्की गुप्ता, अमित साहू, मुकेश टोटल, अंकुर रस्तोगी, अकरम शगुन, अरशद भाई, गुड्डू, मो0 आमिर, शाहरुख, वारिस, नसीम, रोहित सम्राट, हसमत कमाल, सरताज, सिकन्दर, शकील नेता, मुन्ना, सईमुल, मुन्ना मजदूर, बबलू मोबाइल आदि लोगो ने भी शहीद नमन करते हुए अपने श्रध्दासुमन अर्पित किया।

महूली में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व देशभक्ति से ओतप्रोत भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ बिहारपुर – ग्राम पंचायत महूली में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व देशभक्ति से ओतप्रोत भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण, युवा, महिला एवं बच्चे शामिल हुए, जिन्होंने हाथों में तिरंगा थामकर उत्साह, जोश और गर्व के साथ अपनी भागीदारी दर्ज कराई। रैली का शुभारंभ ग्राम पंचायत भवन परिसर से हुआ, जहां उपस्थित जनों ने राष्ट्रध्वज को सलामी देकर और राष्ट्रगान गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद रैली मुख्य मार्ग से होते हुए बजार तक रैली निकाली गई। देशभक्ति के नारों-भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद-से समूचा माहौल गूंज उठा। रैली में शामिल लोगों ने जगह-जगह रुककर स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों को नमन किया और उनके संघर्ष एवं बलिदान की कहानियों को याद किया। कई स्थानों पर ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत किया, जिससे उत्साह और भी बढ़ गया। इस मौके पर ग्रामीण नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि तिरंगा केवल एक झंडा नहीं, बल्कि हमारे देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि देश की आज़ादी और एकता-अखंडता को बनाए रखने के लिए सभी को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम में विशेष रूप से स्वच्छता और आपसी भाईचारे का संदेश भी दिया गया। आयोजन समिति ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से नई पीढ़ी में देशभक्ति, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना प्रबल होती है। रैली के सफल आयोजन में ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा।

शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारे के साथ मनाएं त्यौहार- कलेक्टर

आगामी त्यौहारों को लेकर सद्भावना एवं समन्वय समिति की बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी, जिले में आगामी 16 अगस्त को जन्माष्टमी, 18 अगस्त को चेहल्लुम, 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी, 3 सितम्बर को डोल ग्यारस, 5 सितम्बर को मिलाद-उन-नबी एवं 6 सितम्बर को अनंत चतुर्दशी का पर्व मनाया जाएगा। इन सभी त्यौहारों को शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारे के साथ मनाने के उद्देश्य से आज कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में जिलाधीश कार्यालय सभाकक्ष में सद्भावना एवं समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव मूले, एसडीएम शिवपुरी आनंद सिंह राजावत, समिति सदस्य, धर्मगुरु और पत्रकार उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री चौधरी और पुलिस अधीक्षक श्री राठौड़ ने उपस्थित जनों से कहा कि त्योहारों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं और समाज के प्रबुद्धजन भी इसमें सक्रिय सहयोग दें। बैठक में त्यौहारों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। 18 अगस्त की रात 10 बजे से चेहल्लुम शरीफ के सभी ताजिये हुसैन टेकरी पहुंचेंगे और 19 अगस्त की सुबह 10 बजे वहां से करबला शरीफ के लिए रवाना होंगे। इस दौरान मार्गों की साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल, सड़कों की मरम्मत, गड्ढों का भराव और आवारा पशुओं को हटाने के निर्देश मुख्य नगरपालिका अधिकारी को दिए गए। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु जाधव सागर रोड से अमोला पुल (सिंध नदी) और गणेश कुंड पर साफ-सफाई, पेयजल व विद्युत व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित विभागों को सौंपी गई। तय किया गया कि विसर्जन केवल निर्धारित स्थलों पर ही किया जाए। चेहल्लुम के ताजियों के जुलूस मार्ग पर यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिए गए, साथ ही विद्युत विभाग को कंट्रोल रूम संचालित करने और होमगार्ड व गोताखोरों की व्यवस्था करने को कहा गया। गणेश चतुर्थी के दौरान थानावार गणेश पंडालों की सूची तैयार करने, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग में कोलाहल नियंत्रण अधिनियम व सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन कराने तथा शहर व जुलूस मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बाणगंगा में प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु वैकल्पिक स्थल चिन्हित करने के सुझाव पर एसडीएम और सीएमओ को निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए।

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सेंट्रल स्टेशन पर सतर्कता, आरपीएफ और जीआरपी ने चलाया चेकिंग अभियान

स्वतंत्रता दिवस पर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके मद्देनजर रेलवे, आरपीएफ व जीआरपीअलर्ट हैं। बुधवार को जीआरपी और आरपीएफ ने फोर्स के साथ कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान खोजी कुत्ते, क्यूआरटी टीम के साथ प्लेटफॉर्म, महिला प्रतीक्षालय, सरक्यूलेटिंग एरिया, टिकटघर की चेकिंग की गई। साथ ही आधा दर्जन ट्रेनों में जाकर भी छानबीन की गई। मेटल डिटेकटर से बैग, सूटकेस भी चेक किए गए। कंट्रोल रूम से पूरे स्टेशन परिसर पर नजर रखी गई। किसी व्यक्ति के संदिग्ध दिखने पर उसे रोककर पूछताछ की गई। स्टेशन परिसर के बाहर भी निरीक्षण किया गया। सेंट्रल स्टेशन पर आने वाले वाहनों की रोककर जांच की गई।इस दौरान बताया गया कि 15 अगस्त को देखते हुए सभी प्लेटफॉर्म पर हथियार के साथ क्यूआरटी को तैनात किया गया है। इस दौरान आरपीएफ पोस्ट प्रभारी निरीक्षक एसएन पाटीदार, जीआरपी प्रभारी निरीक्षक ओमनारायण सिंह व फोर्स मौजूद रही।

संक्षिप्त समाचार

बिल्हौर में पासपोर्ट कार्यालय खोलने की मांग, सांसद अशोक कुमार रावत ने लिखा पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रद्युम्न कटियार / कानपुर (बिल्हौर)- संसदीय क्षेत्र मिश्रिख -32 के सांसद अशोक कुमार रावत ने बिल्हौर विधानसभा में पासपोर्ट कार्यालय की स्थापना की मांग को लेकर विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह को पत्र लिखा है। सांसद ने पत्र में कहा है कि बिल्हौर क्षेत्र के निवासियों को पासपोर्ट संबंधी कार्यों के लिए कानपुर नगर स्थित कार्यालय जाना पड़ता है, जो लगभग 70 किलोमीटर दूर है। इससे लोगों का समय, धन और श्रम व्यर्थ होता है,उन्होंने बताया कि बिल्हौर विधानसभा में कई बड़े औद्योगिक इकाइयों के अलावा बड़ी संख्या में व्यापारी और विद्यार्थी रहते हैं, जिन्हें विदेश यात्रा, उच्च शिक्षा और व्यापारिक कार्यों के लिए पासपोर्ट की आवश्यकता होती है। पासपोर्ट कार्यालय की स्थापना से क्षेत्रवासियों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक सेवा मिलेगी, सांसद ने आशा व्यक्त की है कि बिल्हौर में पासपोर्ट कार्यालय स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों को अत्यधिक सुविधा होगी और उन्हें लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी, सूत्र. सांसद जी के द्वारा की गई पहल का भाजपा नेताओं में पूर्व जिला उपाध्यक्ष जेपी कटियार, विक्रम मिश्रा, मण्डल अध्यक्ष बिल्हौर ग्रामीण शुभ्राशु कटियार, आई.टी.विभाग बिल्हौर विधानसभा संयोजक प्रद्युम्न कटियार, जिला पंचायत सदस्य राधन शिवम गौतम ने आभार व्यक्त किया।

ट्रैक्टर लेकर कलक्ट्रेट में घुसे भाकियू टिकैत गुट के किसान नेता, पुलिस से हुई नोकझोंक

पीलीभीत में 20 ट्रैक्टरों समेत 50 से अधिक वाहनों को लेकर किसान नेता कलक्ट्रेट तिराहे पर पहुंचे। जहां ट्रैक्टर रोकने का प्रयास करने पर पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की पुलिस से नोकझोंक हुई। इस बीच बैरिकेडिंग हटाकर कई पदाधिकारी ट्रैक्टर लेकर कलक्ट्रेट में घुस गएपीलीभीत में भाकियू टिकैत गुट की ओर से बुधवार को शहर में ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। करीब 20 ट्रैक्टरों समेत 50 से अधिक वाहनों को लेकर पदाधिकारी और कार्यकर्ता मंडी समिति से टनकपुर हाईवे होकर कलक्ट्रेट तिराहे पर पहुंचे। जहां ट्रैक्टर रोकने का प्रयास करने पर पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की पुलिस से नोकझोंक हुई। सीओ के समझाने के बाद भी पदाधिकारी बैरिकेडिंग हटाकर ट्रैक्टर लेकर डीएम कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी के बाद नौ सूत्री मांगों को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा।राष्ट्रीय आवाह्न पर भाकियू टिकैत गुट के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार बुधवार सुबह मंडी समिति में जमा हुए। करीब 12 बजे 20 ट्रैक्टर समेत 50 वाहनों पर सवार होकर पदाधिकारी और कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए टनकपुर हाईवे से होकर कलक्ट्रेट के लिए रवाना हुए। नौगवां ओवरब्रिज से छतरी चौराहा, गौहनिया चौराहा होते हुए ट्रैक्टर मार्च कलक्ट्रेट तिराहे पर पहुंचा। यहां शहर कोतवाल राजीव कुमार सिंह, सुनगढ़ी इंस्पेक्टर पवन कुमार पांडेय फोर्स के साथ पहले से ही मौजूद थे। बैरिकेड लगाकर रोकने का प्रयास पुलिस ने बैरिकेड लगाकर ट्रैक्टरों को कलक्ट्रेट के भीतर जाने से रोकने का प्रयास किया। इसपर पदाधिकारियों की पुलिस से नोकझोंक हुई। करीब 10 मिनट की जद्दोजहद के बाद पदाधिकारी बैरिकेडिंग को हटाकर आगे की ओर रवाना हुए। सूचना पर सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मंडल अध्यक्ष सतविंदर सिंह काहलो, जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश और युवा जिलाध्यक्ष गुरदीप सिंह गोगी से बातचीत की। इसके बाद कुछ ट्रैक्टरों को कलक्ट्रेट ले जाने की अनुमति दी गई। हालांकि अधिकांश कार्यकर्ता ट्रैक्टरों को लेकर डीएम कार्यालय के बाहर पहुंच गए थे। जहां पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। जानकारी पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। इसके बाद नौ सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा गया। किसानों ने उठाईं ये मांगें डीएम को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि निजी दुकानदार यूरिया बेचने के नाम पर मनमानी कर रहे हैं। अवैध गोदामों पर यूरिया रखकर किसानों से ओवर रेट वसूला जा रहा है। धान का रकबा इस बार पिछले वर्ष से अधिक है। ऐसे में खरीद केंद्र बढ़ाने की मांग की गई। गेंहू, आलू और गन्ना फसल की मद्देनजर समितियों पर पर्याप्त मात्रा में एनपीके, डीएपी उपलब्ध कराने की मांग गई। एक साल से जर्जर पड़े पीलीभीत-माधोटांडा मार्ग का सुधार कराने, सड़ा नाले की पुलिया को निर्माण के नाम पर तोड़ने और वैकल्पिक रास्ता जर्जर होने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ठोस कार्य कराने समेत नौ सूत्रीय मांगें शामिल रहीं।

भारतीय किसान यूनियन की ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा, हजारों किसान सड़क पर

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर आज भारतीय किसान यूनियन की विशाल ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई। इस रैली में हजारों किसान ट्रैक्टर, बाइक लेकर शामिल हुए। सभी ब्लॉकों के लोग एमएस फार्म शामली से शुरू होकर मेन बाज़ार और शिव मूर्ति होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची, जहाँ किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया।ष्ट्रह्लड्ड नहीं चाहिए, अमेरिका का द्बह्लड्ड नहीं चाहिए,किसानों ने बिजली बिल, गन्ना भुगतान और, आवारा पशुओं की, एम एस पी, बढ़ती विद्युत दर के विरोध,अन्य मुद्दों को लेकर अपनी मांगें उठाईं और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन शांता प्रधान जिला अध्यक्ष मोहित शर्मा युवा जिलाध्यक्ष, कविता चावला महिला विंग जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में दिया गया।किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उक्त मांगों को एवं समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन जिंदाबाद। इस अवसर पर कपिल खाटियान प्रदेश उपाध्यक्ष, मेनपाल चौहान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,कुलदीप पंवार प्रदेश प्रवक्ता, राजेश प्रधान युवा मंडल अध्यक्ष, गौरव चौहान,देवराज पहलवान मंडल प्रवक्ता, मास्टर जाहिद हसन संघटन मंत्री, ब्रह्मपाल नाला मंडल उपाध्यक्ष, बिजेंद्र सैनी मंडल सचिव,पप्पू पंवार जिला सचिव, योगेंद्र पंवार, मुस्तकीम प्रधान, इंतजार प्रधान ब्लॉक अध्यक्ष कैराना, ईनाम उर्फ कालू नगर अध्यक्ष कैराना, रहीस पठान नगर अध्यक्ष कांधला, इमरान मेंबर चौसाना,मिंटू सैनी तहसील अध्यक्ष कैराना, मेहरदीन तित्रवांडा,इनाम ,शाहरुख चौधरी कैराना,असजद तोमर हाथछोया, रवि जागलान, इमदादुला नदवी, नवाब अली, अरविन्द खोड़समा, अमरपाल बालियान नगर अध्यक्ष शामली, मुकम्मिल पहलवान, इसराइल, कमलेश चौधरी, आशीष चौधरी, बूटा सिंह प्रधान, मुनशाद खुरगान, पुष्पेंद्र मान, अनुज पंवार भारसी, मुनव्वर, लोकेंद्र उर्फ लोकी, कपिल, नरेश कुमार, मनीष सैनी, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।तालिब चौधरी मीडिया प्रभारी भाकियू शामली

भारत-नेपाल सीमा पर 62वीं वाहिनी एसएसबी ने बढ़ाई चौकसी

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती आगामी 79वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2025) के मद्देनज़र भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशा-निर्देशन में व्यापक सुरक्षा उपाय लागू किए गए। वाहिनी के अंतर्गत आने वाली 12 सीमा चौकियों को पूर्ण अलर्ट मोड पर रखते हुए सीमा क्षेत्र में चेकिंग, नाका ड्यूटी और गश्ती गतिविधियों को और तीव्र कर दिया गया है। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, घुसपैठ, तस्करी एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोकना है। कमांडेंट ने सभी चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया है कि आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति एवं वाहन की गहन जांच की जाए, संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा स्थानीय प्रशासन व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखा जाए। साथ ही, सीमा क्षेत्र के ग्रामीणों एवं नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत निकटतम सीमा चौकी पर दें, ताकि स्वतंत्रता दिवस का पर्व शांति, सौहार्द एवं सुरक्षा के वातावरण में मनाया जा सके।

ग्राम पंचायत खोड़ में आंधी-तूफान से क्षतिग्रस्त कोविड सेंटर की मरम्मत पूर्ण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पप्पू जायसवाल /चांदनी बिहारपुर सूरजपुर- सूरजपुर जिले के ओडगी विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत खोड़ में हाल ही में आई तेज आंधी-तूफान ने कोविड सेंटर को भारी नुकसान पहुंचाया था। तेज हवाओं के चलते सेंटर की सीट उड़ गई और छत का एक हिस्सा गिरकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इस हादसे के बाद ग्रामीणों को कोविड सेंटर का उपयोग करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय ग्रामीणों ने इस स्थिति को देखते हुए भटगांव विधायक एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े से तत्काल सुधार की मांग की। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने त्वरित पहल की और कोविड सेंटर के मरम्मत कार्य को प्राथमिकता दी। कुछ ही दिनों में कोविड सेंटर को पहले की तरह व्यवस्थित कर दिया गया। अब सेंटर की छत और संरचना को मजबूत कर, इसे पुनः उपयोग के लिए तैयार कर दिया गया है। ग्रामीणों ने इस त्वरित कार्रवाई के लिए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त किया है और कहा कि उनकी संवेदनशीलता और तत्परता से क्षेत्र की एक बड़ी समस्या का समाधान हो गया है। ग्रामवासियों का मानना है कि इस प्रकार की त्वरित कार्यवाही से लोगों का जनप्रतिनिधियों पर भरोसा और मजबूत होता है।

प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक लता राठौड़ के दिशा निर्देशन में जनपद शामली के सभी विद्यालयों में आज हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक लता राठौर के दिशा-निर्देशन में जनपद शामली के सभी विद्यालयों में आज हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया जिसमें राजकीय हाई स्कूल बलवा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज ऑल्दी, राष्ट्रीय शिक्षा सदन इंटर कॉलेज झिंझाना, राजकीय बालिका हाई स्कूल गंगेरू,राजकीय यमुना खादर इंटर कॉलेज कमलपुर, राजकीय इंटर कॉलेज केरटू,राजकीय इंटर कॉलेज भनेड़ा उददा, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कांधला, मुरली मनोहर इंटर कॉलेज ईशपुर टील, बीएसएम पब्लिक स्कूल शामली, एसडीएस पब्लिक स्कूल गढ़ी अब्दुल्ला, वनस्थली पब्लिक स्कूल ढिंढाली, फ्लोरा डेल पब्लिक स्कूल गढ़ी पुख्ता तथा कन्या कल्याण गुरुकुल इंटर कॉलेज भैंसवाल में तिरंगा रैली में विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाओं तथा छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और रैली निकाली गई।

चोरी के मुकदमे से सम्बन्धित 01 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ शैलेन्द्र कुमार पांडेय / बहराइच। विवरण- पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान में गिरफ्तारी हेतु टीम गठित करके अभियान को सफल बनाने हेतु दिये गये निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) व क्षेत्राधिकारी महोदय महसी के निर्देशन में थानाध्यक्ष हरदी के कुशल नेतृत्व में गठित टीम द्वारा आज दिनांक 13.08.2025 को मुखबिर खास की सूचना पर थाना स्थानीय पर दिनांक 11.08.2025 को पंजीकृत मु0अ0सं0 285/25 धारा-331(4),305( ),317(2) BNS से सम्बन्धित अभियुक्त 01.पिंकू उर्फ अनूप पुत्र भगौती लाल तिवारी उर्फ लल्लू निवासी मौरहवा दा0 बहोरिकापुर थाना हरदी जनपद बहराइच को एक अदद इनवर्टर के साथ गोसाईपुरवा दा0 जोत चांदपारा के पास से हिरासत पुलिस में लेकर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुये अभियुक्त को माननीय न्यायालय रवाना किया गया ।

जिलाधिकारी द्वारा आज विकास भवन में हर घर तिरंगा कार्यक्रम 2025 की समीक्षा बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में हर घर तिरंगा कार्यक्रम-2025 की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी हर घर तिरंगा कार्यक्रम में संतोष जनक प्रगति न होने पर कई विभागों को कड़ी फटकार लगाते हुए प्रगति के निर्देश दिए साथ ही प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा जानने हेतु उनकी अध्यक्षता में बैठक आयोजित कराने के निर्देश दिए। बैठक में समीक्षा करते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के अनुपस्थित पाए जाने पर उनका एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश के दिये। बैठक में जिला विकास अधिकारी द्वारा सभी विभागों को हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत ज्यादा से ज्यादा वालंटियर बनाने, फोटो अपलोड करने और जिन विभागों द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम में एक्टिविटी कराई जा रही है उनको अपलोड कैसे करना है उसके बारे में विस्तार से बताया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के दृष्टिगत साफ सफाई हेतु शहरी क्षेत्र में अधिशासी अधिकारियों और ग्रामीण क्षेत्र में डीपीआर को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों निर्देशित किया कि दिए गए निर्देशों के अनुपालन में किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी,अपर जिलाधिकारी श्री सत्येन्द्र सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), शामली, जिला विकास अधिकारी, सभी एसडीएम सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहें।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश ,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

संक्षिप्त समाचार

दंगा निरोधक उपकरणों के साथ फ्लैग मार्च किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ शैलेन्द्र कुमार पांडेय / आगामी त्यौहार चेहल्लुम,जन्माष्टमी स्वतंत्रता दिवस के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री रामानंद कुशवाहा,सिटी मजिस्ट्रेट,क्षेत्राधिकारी नगर व थाना प्रभारी कोतवाली नगर ,थाना प्रभारी दरगाह शरीफ द्वारा शहर क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ संवेदनशील स्थल,हाट स्पॉट,पर दंगा निरोधक उपकरणों के साथ फ्लैग मार्च किया गया द्य

01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ शैलेन्द्र कुमार पांडेय / पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा रोकथाम जुर्म जरायम ,अपराध एवं अपराधियो पर अंकुश लगाये जाने व गिरफ्तारी वांछित/वारण्टी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (नगर) व क्षेत्राधिकारी महोदय पयागपुर के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक पयागपुर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत 200/2025 धारा 64(1),351(3) BNS में वांछित 01 नफर अभियुक्त अशोक कुमार पुत्र ब्रह्म प्रसाद निवासी खुनौरा थाना पयगापुर बहराइच को आज दिनांक 13.08.2025 को समय 06.55 बजे गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु माननीय न्यायालय बहराइच रवाना किया गया

राप्ती नदी के सिसवारा घाट पर मिला अज्ञात शव, जांच में जुटी पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती सिसवारा घाट के निकट राप्ती नदी की रेत में एक अज्ञात युवक का शव दिखा। जिसकी सूचना पर पहुंची भिनगा कोतवाली पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। राप्ती नदी का जलस्तर धीरे धीरे घटने लगा है। घटे जलस्तर के कारण भिनगा कोतवाली क्षेत्र के सिसवारा घाट के समीप नदी की रेत में मुंह के बल पड़ा एक शव दिखा। इसकी सूचना स्थानीय किसानों ने भिनगा पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर उसे पहचान के लिए पोस्टमार्टम हाउस भिनगा में सुरक्षित कराया है। घटना स्थल पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली भिनगा राजकुमार सरोज ने बताया कि शव कुछ दिन पुराना है। घटना की जांच कराने के साथ ही शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की हुई मौत, जांच में जुटी पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। नारायणजोत के मजरा कहारनपुरवा निवासी एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला का शव उसी के कमरे में साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला। सूचना पर फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंची सेमरी तरहर चौकी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। बलरामपुर जिले के थाना क्षेत्र लालिया के ग्राम बेनीडीह के मजरा बहादुरगंज निवासी राजेश्वरी प्रसाद कश्यप ने अपनी पुत्री चांदनी देवी (21) का विवाह डेढ़ वर्ष पूर्व इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम कहारनपुरवा निवासी पंकज कश्यप के साथ किया था। चांदनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। चांदनी का शव उसी के कमरे में साड़ी के फंदे के सहारे छत के कुंडे से लटक रहा था। ग्राम चौकीदार की सूचना पर फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचे सेमरी तरहर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विवेक पांडेय ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया। बाद में पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। चौकी प्रभारी ने बताया कि मृतिका के मायके वालों को सूचना दे दी गई है। यदि मायके वाले तहरीर देते है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी शामली अरविंद कुमार चौहान पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम द्वारा समस्त पुलिस टीम के साथ शहर में तिरंगा यात्रा निकाली

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली हर घर तिरंगा कार्यक्रम-2025 के कार्यक्रमों की श्रंखला में आज जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान व पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम द्वारा समस्त पुलिस विभाग की टीम के साथ शहर में तिरंगा यात्रा निकालकर देश भक्ति का संदेश दिया। डीएम ने कहा तिरंगा हमारी आन बान शान है यह हमेशा ऊंचा रहे। उन्होंने प्रत्येक नागरिक को हर घर तिरंगा कार्यक्रम से जुड़कर तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर उसे वेबसाइट www.harghartiranga.com पर अपलोड करें। यह तिरंगा यात्रा वी0वी0 डिग्री से प्रारंभ होकर शहर में भिक्की मोड, शिव चौक,अग्रसेन पार्क से कोतवाली शामली पर समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा में सभी पुलिस के अधिकारी मौजूद रहें।

Why is International Left Handers Day celebrated? Read its history and importance here

There will be someone around you or in your acquaintance who is a left-hander. Most people use the right hand to write or do most of their work, but some people work more easily with their left hand. However, they have to face a lot of difficulties because most of the equipment is made according to right-handers. International Left Hander Day is celebrated every year on 13 August. Very few people around the world are left-handed. Most of the equipment is made according to right-handers. International Left Handers Day (International Left Handers Day 2025) is celebrated every year on 13 August all over the world. This day is celebrated to make people aware about the special qualities of left-handed people and the challenges they face. Let's know how International Left Handers Day started and what is its history. How did this day start being celebrated? International Left Handers Day was started in 1976 by Dean R. Campbell, who was the founder of the Left-Handers Club, decided to celebrate this day to highlight the problems faced by left-handers and to tell the society about the difficulties left-handed people face in a right-handed world. Challenges faced by left-handers About 10% of the world's population is left-handed, but most equipment, machines and even things of daily life are made for right-handed people. Because of this, left-handers have to face many problems, such as - Problems in school and office - Most desks, scissors, notebooks and computer mouse are designed for right-handed people. Social discrimination - In some cultures, working with the left hand was considered inauspicious or strange, due to which left-handers had to face discrimination. What is the significance of this day? International Left Handers Day is not only to celebrate the specialty of left-handers, but its purpose is also to make the society understand that proper facilities should be available for left-handers as well. Many events are organised on this day which try to highlight the challenges faced by left handers. Some Famous Left Handers There have been or are many celebrities in the world who are left handed and have excelled in their field, like- Science- Albert Einstein, Isaac Newton Politics- Barack Obama, Bill Gates Sports- Sachin Tendulkar, Rafael Nadal Entertainment- Oprah Winfrey, Lady Gaga International Left Handers Day is a day that reminds society that every person has their own characteristics and must be accepted. The day is an opportunity to show support for left handers.

The right 'tadka' can change the taste of your food, know which tempering to use in which dish

Have you ever wondered why the taste of the same dal or vegetable is so different in two different houses? The answer lies in one small word - tadka! Yes, the soul of Indian food, that magical touch that makes ordinary food extraordinary. Let us tell you some special things about this special cooking step in this article. Tadka is not just the taste, but it is the soul of Indian food. Different types of tadka are given to different dishes. Things like asafoetida, cumin, garlic and mustard are used in tadka. Have you ever wondered why a bite of dal sometimes gives so much comfort, and sometimes just tastes 'okay'? The answer is often hidden not in the plate, but in the pan. Yes, in that moment when the spices crackle, crackle and spread their aroma in hot oil or ghee. This is the magic of Tadka, which gives such a taste to even a simple dish that you feel like having another bowl. Tadka in Indian kitchen is not just a cooking technique, but the 'heartbeat' of food. The velvety smell of ghee, the pungent identity of mustard oil, the freshness of curry leaves or the deep aroma of garlic - all these together have such an effect that even the food cooked at home tastes like hotel food. What is Tadka and why is it so special? Tadka is not just adding spices in hot oil or clarified butter, but it is an art. It not only gives taste to the food, but also increases its aroma manifold. When spices like cumin, mustard, asafoetida and garlic show their magic in hot clarified butter or oil, their aroma spreads throughout the house, and the appetite increases automatically. Ingredients used in Tadka Desi Ghee Tadka: Be it Dal Makhani or Khichdi, the taste of food becomes royal as soon as Desi Ghee Tadka is added. Its aromatic fragrance and deep flavour give a new dimension to food. Garlic and onion tadka: This tadka is used in almost every household. When the finely chopped garlic turns golden and the onion softens, its sweetness and pungency give a special flavour to the dal or vegetable. Asafoetida tadka: Asafoetida is not just for fragrance, but it is also very beneficial for digestion. The flavour of dal, especially arhar dal, gets enhanced when it is tadkaed with asafoetida and cumin. Mustard and curry leaves tadka: The identity of South Indian cuisine, this tadka adds life to sambhar, rasam and upma. The crackling sound of mustard seeds and the fresh aroma of curry leaves give a new freshness to the food. The whole story changes with a tadka Imagine, you have made a simple moong dal. It has just salt and turmeric, but the moment you add cumin seeds, asafoetida, green chillies and a little ghee to it, the same simple dal turns into a delicious dish.

Prepare your speech on Independence Day like this, people will be forced to clap

If you get a chance to give a speech on Independence Day, then it is an honor for you. A good speech not only gives information but also touches the hearts of the people and inspires them.

Let us know how you can prepare a great and powerful speech that will force people to clap. Independence Day is celebrated every year on 15th August. On this occasion, speech competitions are organized at many places. It is important to keep some things in mind to give a powerful speech on Independence Day. 15 August is a day of pride for every Indian. This day reminds us of the great martyrs who sacrificed everything to give us independence. If you have got a chance to give a speech (Independence Day Speech 2025) on this special occasion, then it is your responsibility to make it memorable. A great speech is not only to give information, but to touch the hearts of the people and instill the feeling of patriotism in them. This article has given some easy tips with the help of which you can prepare such a speech (Independence Day Speech In Hindi) that will force people to clap. The speech should start strongly Start your speech with a poem, slogan or the thought of a great freedom fighter. Like, "Come bow down and salute those who get this position, lucky is the blood that is useful for the country." Or, "When we are completing 78 years of independence, we should remember the millions of sacrifices that have given us this free air." Explain the true meaning of independence Freedom is not just freedom from the British. Emphasize in your speech what real freedom is. It is freedom from poverty, illiteracy, corruption and discrimination. Tell the audience how we can fight these problems as a nation. Remember heroes like Mahatma Gandhi, Nehru, Bhagat Singh Mention those great leaders in your speech who sacrificed their lives for the country. Put their stories and their thoughts in front of the people. For example, Bhagat Singh's bravery, Mahatma Gandhi's mantra of non-violence or Subhash Chandra Bose's slogan "Give me blood, I will give you freedom". Talk about today's India - Tell what India has achieved in the last few years. Talk about our achievements in science, sports, economic development and other fields. This will awaken a sense of pride in people. Inspire for the future The end of the speech should always be inspirational. Tell people how we can all together build a better India. Remind them of their responsibilities towards their society, city and country. For example, "Let us all together build an India where every child goes to school, every woman is safe and every youth gets employment." End with a slogan or poem End your speech with a strong slogan, such as "Jai Hind!", "Bharat Mata ki Jai!" or a short poem. This will fill people's hearts with patriotism and the entire hall will reverberate with thunderous applause.

'75 years later we made Sholay', Pakistani exhibitor compared Fawad Khan's movie with Dharmendra's movie

50 Years Of Sholay While there is a lot of excitement among Indian audiences on Sholay's 50th anniversary, on the other hand, a famous Pakistani exhibitor has compared Fawad Khan's movie with this cult classic movie. He recently competes with Sholay. Pakistani exhibitor said compared with Dharmendra-Hema's movie history Ramesh Sippy's movie 'Sholay' is Day. Dharmendra-Hema Malini, Amitabh being released in 'Turkiye' on completion of dialogue of 'Sholay', which has become a cult Indian fans are celebrating 50 years of this Pakistan has claimed that in 75 years, they have Which is that movie that is being compared to read the details here: The movie is running in conversation with NDTV, Pakistan's biggest Ramesh Sippy's Sholay was released in 1975, of Indian film exhibitors. This movie made crores. Now the same magic is being created Jatt'. Despite being released in only 60 cinemas running in the theatres there since three years.

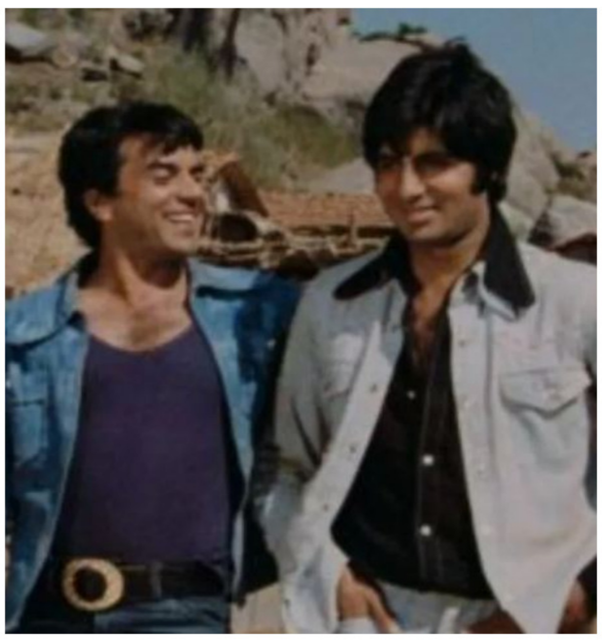

claimed that after 75 years he made a movie that this about 'Sholay' Fawad Khan's movie Did this Pakistani movie create Sholay-like celebrating its Golden Jubilee this Independence Bachchan and Amjad Khan starrer movie is 50 years. Fans remember by heart every movie of Hindi cinema. On one hand, while movie, on the other hand, the exhibitor of made a movie that can compete with Sholay. the history-making movie 'Sholay' in Pakistan, Pakistan since three years During an exclusive exhibitor Nadeem Mandviwala said that when its success changed the direction of the business with a budget of 5 crores did a business of 20 by Fawad Khan's movie 'The Legend of Maula in all the countries, the Pakistani movie has been Nadeem Mandviwala said, 'Maula Jatt' is Pakistan's Sholay'. For us, we finally made Sholay after 75 years. We had made many good films, but we had not made Sholay. Now we can say that we have our own 'Sholay'. There are two-three films in India that have changed the direction of Indian cinema''. Pakistan never thought that it would go beyond 50 crores Nadeem Mandviwala further said, ''What happens is that you make a film of 25 crores and it changes the whole game by earning 100 crores, which Sholay did in 1975. After that came 'Maine Pyar Kiya', 'Hum Aapke Hain Kaun'. Till 1994, India did not even believe that it would be able to make a movie of 100 crores, but now it even makes movies of 500 crores''. He further said, ''The same thing was with Pakistan, where they thought that their film cannot make a film of more than 50 crores. Maula Jatt did a business of 125 crores even after releasing in 60 cinemas, which is unbelievable. Let us tell you that Fawad Khan got a great response for his 2022 released film 'Maula Jatt'. Mahira Khan was seen with him in this movie.

From 'Vettaiyan' to 'Jailer', this is how Rajinikanth's 5 films fared at the box office before Coolie

'Coolie' will be released in theatres on August 14 Before 'Coolie', see the collections of Rajinikanth's 5 films 'Coolie' is making a splash in advance booking Rajinikanth's Coolie is going to be released in theatres on August 14. The advance Hrithik-NTR's War 2 is going to be released in in the competition between the two films. But Thalaiva's last 5 films. Coolie's advance booking have crossed more than Rs 20 crore and 40 lakh office and looking at the pre-sale figures, it can would be interesting to know about Thalaiva's Vettaiyan (2024) Rajinikanth and Amitabh this film garnered a lot of applause and opened crore on the first day. Which also included film could not recover its budget. It earned Rs 300 crore. Lal Salaam (2024) Lal Salaam, directed on February 9, 2024. The film proved to be a could only earn Rs 19 crore. Jailer (2023)- In 2023, crore at the box office. The film with a budget of on the first day and advance booking of Rs 12.8 the highest-grossing Tamil film of the year. It

booking of the film is going great. Along with Coolie, theatres. It will be interesting to see who wins the box office before that, let's take a look at the box office collections of is making a splash, its advance booking earnings in India dollars abroad. This film is ready for a big clash at the box- be said that the film can earn a lot. In such a situation, it previous films and how they performed at the box office. Bachchan came together in Vettaiyan in 2024. The story of the account with a gross of Rs 37 crore and a net of Rs 31.7 advance booking of Rs 17.39 crore. But despite this, the 240 crore at the box office while its budget was around Rs by Rajinikanth's daughter Aishwarya, released in theaters failure as this sports drama with a budget of Rs 60 crore Rajinikanth's Jailer had a tremendous opening of Rs 44.5 Rs 200 crore made a splash with earnings of Rs 44.5 crore crore. The film grossed Rs 600 crore worldwide and became proved to be a blockbuster for Rajinikanth. Annaatthe (2021)- Rajinikanth's family drama Annaatthe released on Diwali 2021. Starring Meena and Khushboo alongside him, the film received mixed reactions and crossed the Rs 200 crore mark at the box office. Its budget was around Rs 160 crore. Darbar (2020) In 2020, Darbar, directed by AR Murugadoss, grossed Rs 30.8 crore with an advance booking of Rs 23.7 crore. It also crossed the Rs 200 crore mark at the box office. Darbar's budget was around Rs 190 crore.

Kangana Ranaut calls Jaya Bachchan a 'fighter', gets furious over her misbehavior with a common man

Jaya Bachchan is once again in the headlines for her behavior. Recently, a video of her is going viral in which she is seen misbehaving with a man. Seeing this video, Mandi MP Kangana Ranaut has recently slammed the Ranaut gets angry at Jaya Bachchan called her 'spoiled' Jaya Bachchan Bollywood actress and Samajwadi once again come into the limelight for style and anger, the veteran actress media. This time the 'Sholay' actress angered the people on social media, Party (BJP) leader and Mandi MP control her anger. She has slammed Bachchan misbehaving with the viral on social media. Kangana Bachchan's behaviour A video of the the internet since morning, in which outside the Constitution Club and suddenly a man takes out his phone a selfie with her, but then Jaya and says 'what are you doing'. She Condemning Jaya Bachchan's man, Kangana Ranaut shared a account. She lashed out at the actress wrote, ''The most spoiled privileged tantrums because she is Amitabh Ranaut called Jaya a 'fighter hen'

actress on social media. Kangana After seeing the viral video, she misbehaved with a man Party leader Jaya Bachchan has her behavior. Due to her blunt often has to face trolling on social has done something that not only but also the Bharatiya Janata Kangana Ranaut could not the actress on the video of Jaya common man which is going Ranaut furious over Jaya 'Guddi' actress is going viral on Jaya Bachchan is standing talking to her party members, from his pocket and tries to take Bachchan pushes the man hard went inside staring at the man. behaviour with the common video on her official Instagram in the caption with this video and woman. People tolerate her Bachchan's wife''. Kangana Kangana Ranaut did not calm down here. He also commented on Jaya Bachchan's party and the cap on her head. He further wrote, ''This cap looks like a cock's crest on her head and Jaya ji herself looks like a fighting cock. This is very insulting''. Before Kangana Ranaut, users on social media also lashed out at the actress. One user wrote, ''We really feel pity for Amitabh sir''. Another user wrote, ''She is a very arrogant woman''. Another user wrote, ''She is amazing in herself''. This is not the first time that questions have been raised about Jaya Bachchan's behavior, even before this she has been seen misbehaving with the paparazzi many times.